मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 36
अंक : 269
भोपाल, मंगलवार
09 दिसम्बर 2025
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1रु.

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

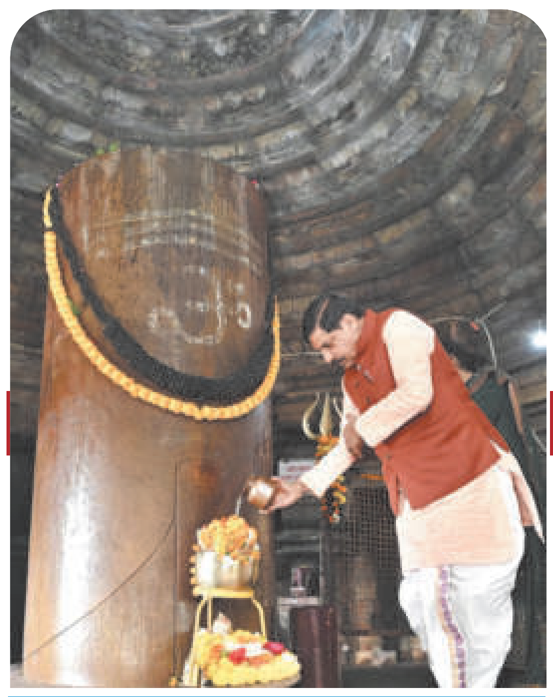

मुख्यमंत्री ने खजुराहो के मतंगेश्वर मंदिर में दर्शन किए।

आज खजुराहो में होगी मोहन कैबिनेट की बैठक

आज सीएम यादव लाडली बहनों के खातों में ट्रांसफर करेंगे 1857 करोड़ 62 लाख रुपये

महाराजा कन्वेंशन सेंटर में महाराजा छत्रसाल और सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का किया अनावरण

छतरपुर ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंत्रिमंडल के साथ दो दिवसीय खजुराहो प्रवास पर हैं। प्रवास के दूसरे दिन मंगलवार को कन्वेंशन सेंटर खजुराहो में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक होगी। जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। इसके अलावा सीसीआईपी की बैठक होगी। मुख्यमंत्री आज लोक निर्माण एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा करेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाराजा कन्वेंशन सेंटर में महाराजा छत्रसाल और सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण किया। खजुराहों में आदिवर्त संग्रहालय का भ्रमण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होगा। सीएम अपने मंत्रियों के साथ पन्ना टाइगर रिजर्व कुटनी रिसॉर्ट डैम एवं रनेह फॉल का भ्रमण करेंगे।

स्कूल जा रहे बच्चों से मिले सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खजुराहो के कन्वेंशन सेंटर परिसर में सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने खजुराहो के मतंगेश्वर मंदिर में दर्शन किए। खजुराहो में बस स्टॉप पर रुककर कॉलेज की छात्राओं से मिले और पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। उत्साहित बच्चों ने सीएम के साथ सेल्फी ली।

आज आएगी 31वीं किश्त

लाडली बहना योजना के उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना, परिवार में उनके निर्णय अधिकार को मजबूत करना तथा स्वास्थ्य और पोषण स्तर में सतत सुधार सुनिश्चित करना है। योजना की शुरुआत में एक हजार रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती थी, जिसे अक्टूबर 2023 में बढ़ाकर 1,250 रुपये किया गया। इसके बाद नवंबर 2025 से राशि में पुन: 250 रुपये की वृद्धि लागू की गई।

राजनगर के सती की मढिया में महिला सम्मेलन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव छतरपुर जिले के विधानसभा क्षेत्र राजनगर के सती की मढिया के पास आयोजित महिला सम्मेलन में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सम्मेलन में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में प्रदेश की एक करोड़ 26 लाख से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में लगभग 1857 करोड़ 62 लाख रुपये अंतरित करेंगे। साथ ही विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी करेंगे।

राज्यों में एसआईआर के काम में बाधा पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

अगर हालात और बिगड़ते हैं तो पुलिस को तैनात करेंगे

अदालत ने एसआईआर कार्य में विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा सहयोग की कमी को गंभीरता से लेने को कहा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को धमकाने के अलावा चुनाव आयोग की तरफ से कराए जा रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के काम में कथित तौर पर बाधा डालने की घटनाओं को गंभीरता से लिया है। अदालत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान निर्वाचन आयोग से मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा सहयोग की कमी को गंभीरता से लेने को कहा। सर्वोच्च अदालत ने कहा, अगर हालात और बिगड़ते हैं तो पुलिस तो तैनात करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा। इस पर चुनाव आयोग ने कहा कि उनके पास सभी सांविधानिक शक्तियां हैं, जिससे हम बीएलओ और अन्य अधिकारियों को धमकाने की घटनाओं से डील कर सकते हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इससे निपटें वरना इन हालातों से अराजकता हो सकती है।

चुनाव आयोग ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कामकाज की निगरानी के लिए पांच वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को स्पेशल रोल ऑब्जर्वर (एसआरओ) नियुक्त किया है। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम एसआईआर प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए उठाया गया है। जिन अधिकारियों को नियुक्त किया गया है, उनमें रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव कुमार रवि कांत सिंह को प्रेसिडेंसी संभाग के लिए एसआरओ बनाया गया है, जबकि गृह मंत्रालय के नीरज कुमार बांसोद को मेदिनीपुर संभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के कृष्ण कुमार निराला बर्दवान संभाग के लिए एसआरओ होंगे।

अफसरों को डर के साए में नहीं छोड़ा जा सकता है

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने भी टिप्पणी की कि अगर बीएलओ को सुरक्षा नहीं दी जा रही है तो ये बहुत गंभीर विषय है। कोर्ट ने साफ किया कि मतदाता सूची को साफ-सुथरा और सही बनाना लोकतंत्र की बुनियाद है और इसके लिए काम करने वाले अफसरों को डर के साए में नहीं छोड़ा जा सकता है। कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा है कि आखिर बीएलओ की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं? पश्चिम बंगाल में एसआईआर का काम तेजी से चल रहा है और इसके लिए हजारों बीएलओ-टीचर और सरकारी कर्मचारी लगाए गए हैं। कई जगहों से शिकायत आई है कि कुछ राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता बीएलओ को काम नहीं करने दे रहे और धमका रहे हैं।

अब चुनाव आयोग को देना होगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर दो हफ्ते के अंदर जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि बीएलओ को सुरक्षित माहौल में काम करने का पूरा हक है, क्योंकि वे निष्पक्ष तरीके से मतदाता सूची तैयार करने का महत्वपूर्ण काम कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में अगले साल पंचायत चुनाव और उसके बाद लोकसभा की तैयारी को देखते हुए यह एसआईआर ड्राइव बहुत अहम है। कोर्ट का साफ कहना है कि इस काम में कोई राजनीतिक दखल या हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ये डेस्क का काम नहीं, घर-घर जाना पड़ता है

चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने सुनवाई के दौरान बीएलओ के काम की कठिनाई को पूरी तरह स्वीकार किया। जस्टिस बागची ने कहा, ये कोई डेस्क का काम नहीं है। वे हर घर जाते हैं, वहां जाकर वेरिफिकेशन करते हैं, फॉर्म भरवाते हैं, फिर उसे लेकर आते हैं और अपलोड करते हैं। घर-घर जाना, फिर वापस आकर अपलोड करना ये भारी दबाव और तनाव का काम है। उन्होंने आगे कहा, हम किसी राजनीतिक नैरेटिव में नहीं पड़ रहे हैं। हम सिर्फ इतना चाहते हैं कि ग्राउंड लेवल पर एसआईआर का काम बिना किसी रुकावट और डर के पूरा हो सके।

इंडिगो संकट पर पीएम मोदी ने तोड़ी चुप्पी

नियम और सुधार अपनी जगह महत्वपूर्ण लेकिन लोगों को परेशान करना सही नहीं

डीजीसीए ने इंडिगो की उड़ान सेवाओं में की पांच प्रतिशत की कटौती

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देशभर में पिछले एक सप्ताह से जारी इंडिगो संकट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली प्रतिक्रिया दी है। केंद्रीय संसदीय और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आज कहा कि प्रधानमंत्री इंडिगो की उड़ान रद्द होने और देरी से हुई अव्यवस्था को लेकर गहराई से चिंतित हैं। उनके अनुसार, पीएम मोदी ने यह जोर देकर कहा कि ऐसे मामलों की वजह से यात्रियों को परेशान नहीं होना चाहिए। इंडिगो के फ्लाइट कैंसिलेशन से चरमराई व्यवस्था पर पीएम ने कहा कि नियम और विनियम महत्वपूर्ण हैं। लेकिन समस्याओं को ठीक करने की प्रक्रिया जनता के लिए अनावश्यक परेशानी का कारण नहीं बननी चाहिए।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एनडीए बैठक में प्रधानमंत्री के शब्दों को दोहराया। पीएम ने कहा, सुनिश्चित करें कि लोगों को सरकार की वजह से किसी भी तरह की परेशानी न हो। नियम और कानून ठीक हैं, लेकिन उनका उद्देश्य व्यवस्था को बेहतर बनाना होना चाहिए, न कि जनता को परेशान करना।

इंडिगो पर सरकार की कार्रवाई

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने मंगलवार को कहा कि उसने 1 दिसंबर, 2025 से बड़े पैमाने पर फ्लाइट में रुकावटों के बाद इंडिगो के फ्लाइट शेड्यूल में 5 प्रतिशत की कटौती की है। इस बारे में डीजीसीए ने ऑर्डर मंगलवार को जारी किया। बयान के मुताबिक, सभी सेक्टर्स में, खास तौर हाई-डिमांड, हाई-फ्रीक्वेंसी रूट्स पर फ्लाइट्स में कटौती की गई है। इंडिगो को बुधवार शाम 5 बजे तक डीजीसीए को एक रिवाइज्ड शेड्यूल जमा करने का भी निर्देश दिया गया है। डीजीसीए का यह ऑर्डर सिविल एविएशन मिनिस्टर के सोमवार के बयान के बाद आया है जिसमें कहा गया था कि सरकार मौजूदा विंटर शेड्यूल के तहत इंडिगो के ऑपरेट करने वाले रूट्स की संख्या कम करेगी। 2025-26 के विंटर शेड्यूल के हिस्से के तौर पर, एयरलाइन हर दिन 2,200 से ज्यादा फ्लाइट्स ऑपरेट कर रही है।

आज भी 200 से अधिक विमान रद्द

इंडिगो का परिचालन संकट आठवें दिन भी जारी है। एयरलाइन ने मंगलवार को बंगलूरू और हैदराबाद से लगभग 180 उड़ानें रद्द की हैं। वहीं देशभर में 230 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि इंडिगो मंगलवार को हैदराबाद के लिए 58 उड़ानें संचालित नहीं कर रही है। इनमें 14 आगमन और 44 प्रस्थान उड़ानें शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बंगलूरू हवाई अड्डे से रद्द उड़ानों की संख्या 121 है, जिनमें 58 आगमन और 63 प्रस्थान उड़ानें शामिल हैं। इस बीच, मौजूदा शीतकालीन समय सारणी में इंडिगो कुछ मार्गों को अन्य घरेलू एयरलाइंस के हाथों खो सकती है। विमानन मंत्री के राम मोहन नायडू ने कहा कि सरकार निश्चित रूप से इंडिगो के स्लॉट कम करेगी। राहुल भाटिया के नेतृत्व वाली एयरलाइन प्रतिदिन 90 से अधिक घरेलू और 40 से अधिक अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से 2,200 से अधिक उड़ानें संचालित करती है।

अंतर्मना उवाच

वे मुर्ख लोग है - जो गुजरे हुए वक्त को खोजते हैं..!

*समय धन से ज्यादा मूल्यवान उनके लिए है जिन्होंने समय की नसीहत को जाना और समझा है। **धन आज है, कल जा भी सकता है और गया हुआ धन, वापिस भी आ सकता है।** लेकिन जो समय हाथ से एक बार निकल गया वह कभी लौट कर वापिस नहीं आयेगा। समय जब बीत जाता है, तब हमें उसके महत्व का एहसास होता है। **जब हम वक्त को यूं ही गुजारते हैं या टाइम पास करते हैं तब दु:ख और अफसोस के अलावा हमारे पास कुछ नहीं बचता।***

*जो समय का सदुपयोग करता है वह धनवान, बुद्धिमान, और बलवान बन जाता है। **जो समय का सम्मान करता है, समय उसका ज़िन्दगी भर सम्मान कराता है।** इसलिए कहते हैं ना - **समय बड़ा बलवान।** समय के आगे किसी की नहीं चलती। समय राजा को रंक और रंक को राजा बना देता है। इसलिए **कभी सफलताओं पर घमंड नहीं करना चाहिए।***

*हर व्यक्ति के जीवन में अच्छा बुरा वक्त जरूर आता है। इसलिए **अच्छे वक्त में इतराना नहीं , बुरे वक्त में घबराना नहीं। क्योंकि बुरे वक्त की एक अच्छी बात है कि वह भी गुजर जाता है।** यदि हम समय को बर्बाद करते हैं तो कल समय हमें भी बर्बाद कर सकता है। इसलिए **जीवन की सफलता के लिए, समय, श्रम और सकारात्मक सोच का सम्मान करते रहना चाहिए...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

छिंदवाड़ा में प्रार्थना सभा की आड़ में धर्मांतरण!

पैसे और नौकरी का लालच दिया एक महिला समेत तीन गिरफ्तार

छिंदवाड़ा ■ अमृत दर्शन

छिंदवाड़ा में प्रार्थना सभा की आड़ में धर्मांतरण करने का प्रयास किया जा रहा था। जिसकी सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को हिरासत में लिया और थाने ले जाकर पूछताछ की। जानकारी मिलते ही हिंदूवादी संगठनों ने मौके पर पहुंचकर हंगामा खड़ा कर दिया और कड़ी कार्रवाई की मांग की। उनका आरोप है कि लालच देकर लोगों की आस्था बदलने का प्रयास किया जा रहा है। छिंदवाड़ा के धर्मटेकरी चौकी में कमलेश कवरेती ने आवेदन दिया था। जिसमें बताया गया कि ग्राम खापाभाट में धर्मांतरण कराया जा रहा है। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सत्य नारायण ठाकुर, राजेश दाढे और अराधना बावने को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने धारा 3, 5 धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। पूछताछ के बाद आरोपियों को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

खजुराहो के रिसॉर्ट में फूड पॉइजनिंग से हड़कंप

4 कर्मचारियों की मौत, तीन वेंटिलेटर पर 5 छतरपुर से ग्वालियर अस्पताल रेफर

आलू-गोभी की सब्जी खाने के बाद बीमार हुए

छतरपुर ■ अमृत दर्शन

छतरपुर के खजुराहो में कल रिसॉर्ट में खाना खाने के बाद कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ गई। सभी को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां से गंभीर हालत में 9 कर्मचारियों को ग्वालियर रेफर किया गया। दो लोगों ने रास्ते में दम तोड़ दिया। दो की इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि, 5 का इलाज जारी है, इनमें से तीन वेंटिलेटर पर है। डॉक्टर ने फूड पॉइजनिंग के लक्षण बताए हैं।

पहले जानकारी मिली थी कि 9 कर्मचारियों को छतरपुर जिला अस्पताल से झांसी मेडिकल रेफर किया था। यहां तबीयत बिगड़ने पर 4 लोगों को ग्वालियर रेफर किया गया, जहां चारों की मौत हो गई। इधर, छतरपुर जिला अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, तीन कर्मचारियों की मौत हुई है। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने इनके परिजनों को 20-20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। गौतम रिसॉर्ट में कर्मचारियों ने सोमवार शाम करीब 5 बजे रोज की तरह भोजन किया था, जिसमें आलू-गोभी की सब्जी शामिल थी।

गौतम रिसॉर्ट को सील किया गया

गौतम रिसॉर्ट को सील कर दिया गया है। कर्मचारियों और गार्डों के लिए रिसॉर्ट में पीछे दो कमरे बनाए गए हैं। यहीं इनके लिए अलग से खाना बनाया जाता है।

बिना नागरिकता के वोटर मामले में कोर्ट का फैसला

सोनिया गांधी को कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी को नोटिस जारी किया। उन पर नागरिकता लेने से पहले ही वोटर लिस्ट में नाम शामिल कराने का आरोप है। कोर्ट ने एक रिवीजन पिटीशन पर सुनवाई करते हुए नोटिस जारी किया। इसमें मजिस्ट्रेट के सितंबर के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें 1980-81 के इलेक्टोरल रोल में गलत तरीके से नाम शामिल करने का आरोप लगाने वाली एक शिकायत खारिज कर दी गई थी।

संसद में चुनाव सुधार पर चर्चा

मनीष तिवारी बोले- राजीव गांधी के दौर में कांग्रेस लाई बदलाव

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लोकसभा में चुनाव सुधार पर चर्चा की शुरुआत कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने की। मनीष तिवारी ने कहा कि देश में निष्पक्ष चुनाव कराए जाने समय की मांग हैं। उन्होंने संविधान के तहत चुनाव आयोग को मिले अधिकारों का जिक्र करके हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सरकार के कार्यकाल में सबसे बड़े चुनावी सुधार हुए। मनीष तिवारी ने कहा, चुनाव आयोग को पूरे राज्यों में एसआईआर नहीं कराए जा सकते। उन्होंने कहा कि 1988 में कांग्रेस सरकार ने इतिहास का सबसे बड़ा सुधार कराया। उन्होंने आरोप लगाया कि आज चुनाव आयोग केंद्र के निर्देश पर काम कर रहा है। ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करते

हुए तिवारी ने कहा कि इन मशीनों का सोर्स कोड किसी और कंपनी के पास होना चिंताजनक है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेतृत्व में जब स्वाधीनता संग्राम लड़ा गया, तो उसके दो बुनियादी लक्ष्य थे। सबसे पहला लक्ष्य था कि भारत को आजाद करवाया जाए और दूसरा लोगों की जो आशाएं हैं, उनके अनुरूप उन्हें सरकार बनाने का मौका दिया जाए।

राज्यसभा में बोले गृहमंत्री अमित शाह

वंदे मातरम् ने देश को किया जागरूक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राज्यसभा में मंगलवार सुबह 11 बजे से कार्यवाही शुरू हुई. सदन में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर खास चर्चा शुरू हुई। इसकी शुरूआत केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, 'वंदे मातरम् के यशोगान के लिए चर्चा के लिए हम यहां आए हैं। चर्चा के जरिए हमारे देश के किशोर, युवा, आने वाली पीढ़ियों तक वंदे मातरम् का योगदान पता चले। हम सब सौभाग्यशाली है कि हमें एतिहासिक पल के साक्षी बन रहे हैं। आगे कहा कि इस महान सदन में वंदे मातरम् पर चर्चा हो रही है तब कल कुछ सदस्यों ने लोकसभा में सवाल किया था इस चर्चा की जरूरत क्या है। चर्चा की जरूरत वंदे मातरम् के प्रति समर्पण के प्रति जरूरत जब यह बना तब भी थी और अब भी है। गृहमंत्री ने कहा

ने कहा कि ये अमर कृति, मां भारती के प्रति समर्पण, भक्ति और कर्तव्य का भाव जागृत करने वाली है। वंदे मातरम् के रचनाकार बंकिम बाबू बंगाल में पैदा हुए, बंगाल में गीत की रचना हुई। आनंदमठ में समाहित हुआ, उसका बैकग्राउंड भी बंगाल था, लेकिन यह सिर्फ बंगाल तक या देश तक सीमित नहीं रहा है। दुनिया भर में जहां तक आजादी के दीवाने थे, उन्होंने इसका गुणगान किया। यह गीत देशभक्ति का प्रतीक बन गया।

जांच के लिए चार सदस्यीय कमेटी गठित

देश छोड़कर थाईलैंड भागे गोवा नाइट क्लब के मालिक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लुकआउट सर्कुलर जारी

गोवा के जिस नाइट क्लब में रविवार की रात को आग लगने से 25 लोगों की मौत हुई थी, उसके मालिक सौरभ और गौरव लूथरा भारत छोड़ कर थाइलैंड चले गए हैं। इस बात की जानकारी गोवा पुलिस ने दी है। पुलिस ने एक बयान में कहा, एफआईआर दर्ज होने के तुरंत बाद, पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की और आरोपी गौरव और सौरभ लूथरा के ठिकानों पर छापेमारी के लिए एक टीम दिल्ली भेजी। पुलिस ने बताया, लूथरा भाई अपने आवास पर मौजूद नहीं थे इसलिए उनके घर पर एक नोटिस चिपका दिया गया। रविवार की शाम तक, गोवा पुलिस के आग्रह पर इमीग्रेशन ब्यूरो ने उनके खिलाफ एक लुकआउट सर्कुलर जारी कर दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार आधी रात को जब यह घटना हुई, तब दोनों भाई दिल्ली में थे।

संक्षिप्त समाचार

ग्वालियर में डेढ़ साल का बालक लापता: दो दिन से किसी को कुछ पता नहीं

ग्वालियर। ग्वालियर के ट्रांसपोर्ट नगर एफ-ब्लॉक से डेढ़ साल का एक बच्चा लापता हो गया है। मुरार के मोहनपुर से लापता तीन वर्षीय मासूम रितेश को अभी तक पुलिस खोज भी नहीं पाई है, और अब एक नया मामला सामने आने से पुलिस के सामने और चुनौती खड़ी हो गई है। सोमवार देर शाम बच्चे के परिजन बहोड़ापुर थाना पहुंचे और बच्चे के लापता होने की सूचना दी। घटना दो दिन पुरानी बताई जा रही है। आदिवासी परिवार अपने स्तर पर बच्चे की तलाश कर रहा था, लेकिन कुछ पता नहीं चला। बच्चा कब लापता हुआ, यह भी देर से पता चला, क्योंकि बच्चे की मां मानसिक रूप से अस्वस्थ है। अब पुलिस घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है। लापता बच्चे का नाम राहुल पिता मंगल है। उसकी उम्र केवल डेढ़ साल है। वह बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एफ-ब्लॉक के पास झुग्गी-झोपड़ी का रहने वाला है। पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि घटना का समय स्पष्ट नहीं है। बच्चे की मां मानसिक रूप से ठीक नहीं है और मजदूरी का काम करती है। वह यह नहीं बता पा रही है कि बच्चा कब गायब हुआ, जिसके चलते पुलिस खोज की दिशा तय करने में कठिनाई का सामना कर रही है।

उज्जैन में 5 दिनों का होगा महाकाल महोत्सव

उज्जैन। उज्जैन के महाकाल मंदिर के शक्ति पथ पर 10 से 14 जनवरी तक होने वाले महाकाल महोत्सव में 5 दिनों भगवान महाकाल को समर्पित कार्यक्रम होंगे। जिसमें देश भर के बड़े कलाकार शैव परंपरा से संबंधित संस्कृति कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम के लिए मंगलवार को एक बैठक महाकाल मंदिर में रखी गई है। जिसमें 5 दिन तक चलने वाले कार्यक्रम में श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की बैठक में अध्यक्ष रौशन कुमार सिंह (कलेक्टर), मंदिर समिति प्रशासक प्रथम कौशिक सहित कई लोग उपस्थित रहेंगे। यह महोत्सव पूरी तरह से शैव परंपरा पर केंद्रित होगा। इसमें नृत्य, संगीत, नाट्य और अन्य कला विधाएं शामिल होंगी, जो भगवान शिव और शैव दर्शन पर आधारित होंगी। शैव संस्कृति, इतिहास और कला को दर्शाती एक विशेष प्रदर्शनी लगेगी। जिसमें शिव के रूप, शैव तीर्थों और शैव संतों की जीवनगाथा होगी।आयोजन 10 से 14 जनवरी तक होगा। नई शुरुआत है।

खजुराहो नृत्य महोत्सव का नाम बदला, असंतोष

खजुराहो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को खजुराहो में विभागीय समीक्षा और मंत्रिपरिषद की बैठक कर रहे हैं। इस बैठक में शामिल होने के लिए प्रदेश के संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी भी पहुंचे। बैठक से पहले, दैनिक भास्कर डिजिटल ने मंत्री लोधी से खजुराहो के स्थानीय मुद्दों पर विशेष बातचीत की। हाल के दिनों में खजुराहो अंतर्राष्ट्रीय नृत्य महोत्सव का नाम बदलकर 'नटराज महोत्सव' कर दिया गया है। यह वही आयोजन है, जिससे खजुराहो को विश्व पटल पर पहचान मिली है। पिछले वर्ष इसी नाम से महोत्सव गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज हुआ था। नाम में अचानक हुए इस परिवर्तन से स्थानीय लोगों और पर्यटकों में असंतोष देखा जा रहा है। मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि खजुराहो एक अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल है और सरकार यहां के विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की घोषणाओं से खजुराहो को निश्चित रूप से बड़ी सौगातें मिलेंगी और बुंदेलखंड की संस्कृति को और प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने खजुराहो को पर्यटन का हब बनाने की योजना भी बताई।

आईजी ने हरदा में वार्षिक परेड का निरीक्षण किया

हरदा। नर्मदापुरम रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) मिथिलेश कुमार शुक्ला ने मंगलवार को हरदा पुलिस लाइन का वार्षिक निरीक्षण किया। उन्होंने परेड की सलामी ली और कर्मचारियों से सीधे बातचीत की। आईजी शुक्ला ने सुबह 9 बजे पुलिस परेड मैदान पर परेड की सलामी ली। उन्होंने जवानों के टर्नआउट का निरीक्षण किया, कई जवानों की सराहना की और कुछ को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने अलग-अलग ग्रुपों की परेड देखकर एक महीने में परेड आयोजन के बारे में भी जानकारी ली। पुलिस बैंड द्वारा दी गई प्रस्तुति की आईजी ने प्रशंसा की। निरीक्षण के दौरान, आईजी ने पुलिस लाइन में मौजूद संसाधनों का जायजा लिया, अधिकारियों से बातचीत की और दस्तावेजों की जांच की। उन्होंने पुलिस वाहनों के रखरखाव का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों तथा जवानों को मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण के सुझाव दिए। आईजी ने दरबार लगाकर कर्मचारियों की समस्याएं सुनीं और उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। उन्होंने पुलिस वाहनों का निरीक्षण करते हुए उनके उचित रखरखाव पर जोर दिया। वाहन चालकों को इनाम भी दिए गए और उन्हें माइक पर बोलने का अभ्यास करने की सलाह दी गई, ताकि कानून-व्यवस्था की स्थिति में जनता को सही सूचना दी जा सके। आरआई को चालक प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

साइबर ठग बुजुर्गों को कर रहे टारगेट, पुलिस ने दी चेतावनी

एटीएस, सीबीआई और ईडी से रिटायर्ड अधिकारियों को फंसाते हैं

जबलपुर ■ निसं

डिजिटल अरेस्ट के मामले में बुजुर्ग सबसे ज्यादा टारगेट होते हैं। यही वजह है कि साइबर ठग अक्सर इन्हीं लोगों को निशाने पर रखते हैं। हाल ही में मध्यप्रदेश में हुई साइबर ठगी की घटनाओं में करीब 80 प्रतिशत शिकार रिटायर्ड अधिकारी और प्रोफेसर रहे हैं।

हालांकि पुलिस समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती रहती है, फिर भी इस तरह की घटनाओं में कमी नहीं आई है। जबलपुर में साइबर जालसाजों ने तकनीक और सरकारी एजेंसियों की पहचान का दुरुपयोग करते हुए दो करोड़ रुपए से अधिक की ठगी की है। ये ठग पुलिस, एटीएस और कस्टम अधिकारी बनकर घंटों तक डिजिटल अरेस्ट करते हैं और ठगी को अंजाम देते हैं।

ऐसे फंसाते है साइबर ठग: साइबर ठग सबसे पहले पीड़ित को कॉल करते हैं और कहते हैं कि उनका नाम मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग्स या आतंकी नेटवर्क के पैसों में शामिल है। इसके बाद वे वीडियो कॉल के जरिए खुद को अधिकारी बताकर अपना ऑफिस दिखाते हैं। वर्दी देखकर पीड़ित डर जाता है और डिजिटल अरेस्ट यानी मोबाइल चालू रखकर लगातार कैमरे के सामने रहना-का पालन करने लगता है।

पीड़ितों को धमकी दी जाती है कि अगर वे आदेश नहीं मानेंगे तो धोखाधड़ी या आतंकवाद के आरोप में गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इतना ही नहीं, परिवार को भी गिरफ्तार करने की धमकी दी जाती है। डर के चलते पीड़ित कई बार अलग-अलग बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर कर देते हैं।

चेरीताल में रहने वाले 70 वर्षीय बुजुर्ग के साथ मुंबई क्राइम ब्रांच के डीसीपी बनकर 45 लाख रुपए की ठगी की गई। आरोपियों ने मनी लॉन्ड्रिंग का डर दिखाते हुए 24 घंटे तक उन्हें डिजिटल अरेस्ट में रखा। बुजुर्ग ने आरटीजीएस के जरिए पैसे ट्रांसफर किए। घटना के बाद उन्होंने स्टेट साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने कहा- सक्रिय रहे: साइबर ठगों के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है, लेकिन अधिकांश कॉल और वीडियो चैट विदेशी सर्वर और फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से की जा रही हैं, जिससे जांच कठिन हो रही है।

एएसपी जितेंद्र सिंह का कहना है कि साइबर ठग हर दिन नई तकनीक और तरीकों से ठगी कर रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट, टेलीग्राम इन्वेस्टमेंट फ्रॉड जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। रिटायर्ड बुजुर्ग इन जालसाजों के झांसे में आसानी से आ जाते हैं।

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि कोई भी ऐसा इन्वेस्टमेंट न करें जो चंद दिनों में पैसा दोगुना करने का दावा करे। कोई भी पुलिस अधिकारी वीडियो कॉल के जरिए गिरफ्तारी की धमकी नहीं देता। किसी भी अनजान कॉल या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत नजदीकी थाने में दें।

हाल की जबलपुर में हुई घटनाएं

रांझी में एक बुजुर्ग को लगातार पांच दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रखा गया। इस दौरान उन्हें बैंक जाकर पैसे ट्रांसफर करने के लिए कहा गया और 76 लाख रुपए ठग लिए गए। पीड़ित ने बाद में क्राइम ब्रांच और साइबर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। एमपीईबी में पदस्थ 72 वर्षीय रिटायर्ड अधिकारी और उनकी पत्नी को डिजिटल अरेस्ट के जरिए डराया गया और उनसे 31 लाख रुपए की ठगी हुई। आरोपियों ने खुद को एटीएस अधिकारी बताते हुए आतंकवाद से जोड़कर भय उत्पन्न किया। मदन महल थाना पुलिस ने धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ग्वालियर में रिटायर्ड CMHO की पत्नी का शव मिला

घर में चहल-पहल न होने पर पड़ोसियों ने दी जानकारी

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर के यूनिवर्सिटी थाना क्षेत्र में एक घर से रिटायर्ड सीएमएचओ की पत्नी का लगभग पांच दिन पुराना शव बरामद हुआ है। पड़ोसियों की सूचना पर सोमवार देर रात पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया।

शहर के सिटी सेंटर साइट नंबर एक स्थित आकाशदीप अपार्टमेंट के सामने 61 वर्षीय अनीता शर्मा अकेली रहती थीं। उनके पति ग्वालियर में सीएमएचओ पद पर कार्यरत रहे थे। उनकी पहले ही मौत हो चुकी है। अनीता शर्मा के दो बच्चे हैं। बेटा अनीश पुणे में रहता है, जबकि बेटी निधि बेंगलुरु में नौकरी करती है।

चहल-पहल ने होने पर पड़ोसियों ने दी जानकारी: पड़ोसियों ने बताया कि अनीता पिछले चार-पांच दिनों से घर से बाहर नहीं निकली थीं। घर में काम करने वाली बाई भी बाहर से आवाज लगाकर वापस चली जाती थी। कोई चहल-पहल न देखकर पड़ोसियों ने ग्वालियर में रहने वाले अनीता के भाई को सूचना दी। भाई और उनके बेटे के ससुराल पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे। जब घर से कोई जवाब नहीं मिला, तो पुलिस को बुलाया गया।

पुलिस को घर में दाखिल होने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दरवाजे अंदर से बंद थे, जिन्हें तोड़ने में सफलता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने कटर मंगवाए, जिनसे दरवाजों के अंदर लगे तालों को काटा गया। मकान के भीतर बंद कमरों के तालों को भी काटकर पुलिस शव तक पहुंच सकी।

निर्वस्त्र हालत में मिला महिला का शव

पुलिस जब घर के अंदर दाखिल हुई, तो पहली मंजिल पर बाथरूम के पास महिला का शव बिना कपड़ों के पड़ा मिला, जिससे तेज बदबू आ रही थी। शव के पास एक बाल्टी में कपड़े भी रखे हुए थे और महिला की नाक व मुंह से खून आया था। कयास लगाए जा रहे हैं कि महिला बाथरूम से नहाकर निकली थी, तभी यह हादसा हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

CRPF जवान पर छात्रा ने लगाया दुष्कर्म का आरोप

फेसबुक पर दोस्ती हुई, मणिपुर से मिलने आया, ग्वालियर के होटल में किया रेप

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर में रहकर पीएससी की तैयारी कर रही मुरैना की छात्रा ने CRPF जवान पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। आरोपी मणिपुर में पदस्थ है। उसकी छात्रा से फेसबुक पर पहचान हुई थी। लंबी बातचीत के बाद वह उसे मिलने के लिए ग्वालियर आया और पड़ाव स्थित होटल नंदगिरी में बुलाया।

यहां आरोपी ने शादी का झांसा देकर छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। घटना सितंबर 2024 से मई 2025 के बीच की बताई जा रही है। जब छात्रा ने शादी का दबाव बनाया तो आरोपी ने इनकार कर दिया और उससे बातचीत बंद कर दी। इसके बाद छात्रा ने पड़ाव थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने CRPF जवान के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

फेसबुक पर शुरू हुई थी बात: मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के पोरसा निवासी 21 वर्षीय छात्रा ग्वालियर के गोला का मंदिर क्षेत्र में बीते तीन साल से किराए पर रहकर पीएससी की तैयारी कर रही है। 2024 में उसकी पहचान फेसबुक पर सौरभ सेंगर (पुत्र रमेश सिंह सेंगर, निवासी हजीरा) से हुई थी। सौरभ ने स्वयं को सीआरपीएफ में आरक्षक बताया था और यह भी कहा था कि वह वर्तमान में मणिपुर में पदस्थ है।

फेसबुक पर बातचीत बढ़ने लगी और दोनों ने एक-दूसरे के मोबाइल नंबर ले लिए। इसके बाद दोनों की फोन पर नियमित रूप से बातचीत होने लगी। दोस्ती गहरी होने पर सौरभ ने छात्रा से प्यार का इजहार किया और शादी का वादा भी किया।

2024 में ग्वालियर आया आरोपी: सितंबर 2024 में वह छुट्टी लेकर ग्वालियर आया और छात्रा को मिलने के लिए बुलाया। छात्रा ने शुरू में कई बार मना किया, लेकिन सौरभ ने भरोसा दिलाकर उसे नंदगिरी होटल, पड़ाव बुलाया। वहां उसने शादी का झांसा देकर छात्रा के साथ गलत काम किया।

धान की बोरियो में छिपा रखा था 46 किलो गांजा

पहले बहनोई, अब राज्यमंत्री बागरी का भाई गांजा तस्करी में गिरफ्तार

सतना ■ निसं

नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी का परिवार एक बार फिर विवादों में है। गांजा तस्करी के मामले में पहले बहनोई के जेल जाने के बाद अब भाई अनिल बागरी भी गिरफ्तार हो गया है। रामपुर बाघेलान पुलिस ने सोमवार तड़के मरौंहा गांव में दबिश देकर 46 किलो गांजा के साथ अनिल बागरी और उसके साथी पंकज सिंह को गिरफ्तार किया।

इसकी कीमत 9.22 लाख रुपए और जब्त कार की कीमत 18 लाख रुपए बताई गई है। पंकज के घर धान की बोरियों में गांजा छुपाकर रखा गया था। टीआई संदीप चतुर्वेदी के अनुसार, इस केस में तीसरा आरोपी शैलेंद्र सिंह राजावत (राज्यमंत्री का बहनोई सोमू नहीं) अभी फरार है। अदालत ने दोनों गिरफ्तार आरोपियों को 12 दिन की न्यायिक हिरासत में सेंट्रल जेल भेज दिया है। पुलिस ने जिस कार (एमएच 49 बीबी 9699) को जब्त किया है।

वह फरार आरोपी शैलेंद्र सिंह राजावत की बताई गई है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मरौंहा गांव में पंकज सिंह के घर पर भारी मात्रा में मादक पदार्थ छिपाया गया है। दबिश के दौरान घर के बाहर रखी धान की बोरियों के नीचे चार बड़ी बोरियों में 48 पैकेट गांजा मिला।

पंकज सिंह ने पूछताछ में बताया कि खेप उसे अनिल बागरी और शैलेंद्र सिंह राजावत ने दी थी। पुलिस ने अनिल को गिरफ्तार कर लिया, जबकि शैलेंद्र फरार है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अभी तक की जांच में पता चला है कि अनिल बागरी अपने जीजा शैलेन्द्र सिंह के साथ मिलकर गांजा की तस्करी करता था।

हरदा कलेक्टर ने शीतलहर में वृद्धाश्रम, अस्पताल का निरीक्षण किया

रात में व्यवस्थाएं जांची, बुजुर्गों-मरीजों को कंबल बांटे

हरदा ■ निसं

हरदा कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने सोमवार रात को शीतलहर के मद्देनजर वृद्धाश्रम और जिला चिकित्सालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों स्थानों पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरित किए। वृद्धाश्रम में कलेक्टर ने बुजुर्गों से बातचीत की और वहां मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से बुजुर्गों को कंबल भेंट किए, ताकि वे कड़ाके की ठंड से बच सकें। इसके बाद, कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय का दौरा किया। उन्होंने मरीजों से मिलकर उनका हालचाल जाना और उनके परिजनों को भी कंबल बांटे। सीएमएचओ से रात्रि में आकस्मिक चिकित्सा के लिए डॉक्टरों की ड्यूटी और लेबर रूम में प्रसव के दौरान डॉक्टरों की उपलब्धता के संबंध में भी जानकारी ली गई।

कलेक्टर जैन ने बताया कि वर्तमान में शीतलहर का प्रकोप है, जिसके चलते वे विभिन्न स्थानों का निरीक्षण कर रहे हैं ताकि संसाधनों की कोई कमी न हो और कोई भी व्यक्ति परेशान न हो। उन्होंने यह भी बताया कि इससे पहले उन्होंने रेन बसेरा का भी निरीक्षण किया था, जहां लोग ठंड से बचने के लिए ठहर सकते हैं।

उन्होंने जिले की समाजसेवी संस्थाओं से अपील की कि वे आगे आएं और जरूरतमंद लोगों की मदद करें। कलेक्टर जैन ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जरूरतमंद नागरिकों को सुरक्षित और गरिमामय आश्रय उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने और ठंड से राहत दिलाने के लिए सभी आवश्यक संसाधन निरंतर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

इस दौरान अपर कलेक्टर पुरुषोत्तम कुमार, एसडीएम हरदा अशोक डहेरिया, सीएमएचओ डॉ. एचपी सिंह और तहसीलदार राजेंद्र पंवार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

खंडवा में महिला से गैंगरेप, 6 आरोपी हिरासत में

खेत में अकेला पाकर की वारदात, पंचायत ने आरोपियों को संस्कारी बताकर छोड़ दिया था

खंडवा ■ निसं

खंडवा में एक आदिवासी महिला के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने 6 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया है। घटना 29 नवंबर को रात करीब 1 बजे की है। पीड़िता ने पहले समाज की पंचायत में गुहार लगाई थी। पंचायत ने सभी आरोपियों को संस्कारी बताया। न्याय न मिलने पर 8 दिसंबर को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

27 वर्षीय पीड़िता के मुताबिक, उसके पति ने गांव के पटेल से खेत में सिंचाई का ठेका ले रखा था। खेत मेन रोड से लगा होने के कारण वहां लोगों की आवाजाही रहती है। घटना वाली रात गांव के ही 6 लोग खेत पर बनी टपरी में पहुंचे। उन्होंने महिला के पति से कहा कि उन्हें ठंड लग रही है, अलाव जलाना है। पति अलाव जलाकर खेत में पानी देने (सिंचाई) चला गया। पति के जाते ही आरोपियों ने मौका पाकर महिला के साथ गैंगरेप किया।

जान से मारने की धमकी दी: पीड़िता ने बताया कि वह और उसका परिवार मजदूरी कर जीवन यापन करते हैं। वारदात के बाद वह काफी डर गई थी क्योंकि आरोपियों ने पति को जान से मारने की धमकी दी थी। लोक-लाज के डर से वह चुप रही, लेकिन बाद में हिम्मत करके समाज के सामने बात रखी। 3 दिन पहले समाज की पंचायत बैठी। पीड़िता ने बताया, बैठक में आरोपियों के परिवार की महिलाओं ने अपने बेटों को संस्कारी बताया। हमारी एक नहीं सुनी गई, क्योंकि सभी पंच तो आरोपियों के परिवार से ही थे। इसके बाद हम थाने पहुंचे।

पति बोला- ये कृत्य माफी लायक नहीं: महिला के पति ने कहा, मैंने समाज के व्यक्ति हैं, यह देखकर विश्वास किया और उन्हें रात के समय टपरी पर जगह दी। अलाव जलाकर दिया, लेकिन उन लोगों ने विश्वासघात किया। सभी लोग मेरे परिचित थे, लेकिन उन्हें माफ नहीं कर सकते। इस तरह के कृत्य के बाद भी उन लोगों को जरा भी शर्म नहीं थी।

---

2 पिस्टल, 4 कारतूस और चाकुओं के साथ पकड़ाया नाबालिग

सागर ■ निसं

सागर की सिविल लाइन थाना पुलिस ने आरटीओ रोड पर नाकाबंदी कर एक मारुति वैन से हथियार लेकर घूम रहे नाबालिग को गिरफ्तार किया है। पुलिस की कार्रवाई के दौरान वैन में सवार दूसरा आरोपी मौके का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। पुलिस ने पकड़े गए नाबालिग के पास से 2 पिस्टल, 4 जिंदा कारतूस, 2 चाकू और वैन (MP 15 A 3204) जब्त की है। पुलिस ने मामले में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम पथरिया जाट के पास गिरधारीपुरम तिराहा आरटीओ रोड पर एक सफेद रंग की वैन में कुछ संदिग्ध लोग अवैध हथियार लेकर घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत एक टीम गठित की और मौके के लिए रवाना हुई। टीम ने मुखबिर की बताई जगह पर पहुंचकर आरटीओ रोड पर नाकाबंदी कर दी।

नाकाबंदी के दौरान पुलिस को वैन क्रमांक एमपी 15 ए 3204 आती हुई दिखाई दी। पुलिस ने जैसे ही घेराबंदी कर वैन को रोका, उसमें सवार एक आरोपी उतरकर भाग गया।

इंदौर-ग्वालियर में आज इंडिगो की 15 फ्लाइट कैंसिल

एयरलाइन ने कहा- हालात सामान्य होने की उम्मीद; 7 दिन में 155 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल

इंदौर ■ निसं

मध्य प्रदेश में इंडिगो की उड़ानों के कैंसिल होने का सिलसिला मंगलवार को भी जारी रहा। ग्वालियर से इंडिगो की दो उड़ानें रद्द कर दी गईं- बॉम्बे से ग्वालियर और ग्वालियर से बॉम्बे की उड़ानें कैंसिल हैं।

इंदौर एयरपोर्ट पर आज आने और जाने वाली 13 फ्लाइटें रद्द रहेंगी। हालांकि, पिछले कुछ दिनों की तुलना में यह संख्या कम है। सोमवार को इंदौर से 18 उड़ानें रद्द हुई थीं, जबकि रविवार को 24 से अधिक उड़ानें कैंसिल हुई थीं। इंडिगो ने बताया है कि उड़ानों का संचालन जल्द ही पूरी तरह से सामान्य हो जाएगा।

एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार आज मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद आने-जाने वाली उड़ानों का संचालन प्रभावित है। पिछले तीन दिनों से निरस्त हो रहीं पुणे, जयपुर और अन्य शहरों की उड़ानें आज संचालित हो रही हैं। एयरपोर्ट प्रबंधन ने कहा है कि एयरलाइंस के नंबर जारी किए गए हैं और एक हेल्पलाइन भी उपलब्ध कराई गई है, ताकि यात्रियों को परेशानी न हो। स्थिति जल्दी सामान्य होने की उम्मीद है। हालांकि ट्रैवल एजेंटों का कहना है कि परेशानी अभी भी बरकरार है।

7 दिन में 155 से ज्यादा फ्लाइटें कैंसिल: 3 दिसंबर से इंदौर एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन प्रभावित हो रहा है। अब तक 155 से अधिक उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। आज 13 उड़ानें रद्द हैं, सोमवार को 18, रविवार को 24, शनिवार को 34 और शुक्रवार को 36 उड़ानें रद्द हुई थीं।

इंदौर की 70% उड़ानें इंडिगो संचालित करती है: इंदौर एयरपोर्ट से संचालित होने वाली लगभग 70% उड़ानें इंडिगो की हैं। इसलिए क्रू की समस्या होने पर सबसे अधिक प्रभावित इंदौर की उड़ानें ही हुईं। बाकी 30 प्रतिशत उड़ानों का संचालन एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, अलायंस एयर और स्टार एयर करती हैं। एयरलाइंस अधिकारियों का कहना है कि नियमित उड़ानों का संचालन सुचारू है और रद्द होने वाली उड़ानों की संख्या लगातार कम हो रही है। अगले सप्ताह तक सभी उड़ानें सामान्य रूप से चलने लगेंगी।

इंदौर से 74 उड़ानें इंडिगो संचालित करती है: इंदौर एयरपोर्ट से 95 से अधिक उड़ानें संचालित होती हैं, जिनमें से 74 उड़ानें इंडिगो द्वारा संचालित की जाती हैं। एयर इंडिया 12 उड़ानें चलाती है, जो अधिकांशतः दिल्ली और मुंबई के लिए हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस भी 12 उड़ानें संचालित करती है।

पुलिस के हाथ लगे अहम सुराग, जल्द खुलासे का दावा

चोरी की बाइक से बदमाशों ने झपटी थी महिला के गले से सोने की चैन

भोपाल ■ अमृत दर्शन

शहर के बाग सेवनिया थाना इलाके में करीब तीन सप्ताह पहले विवाहित के गले से सोने की चेन झपटने वाले बदमाश का पुलिस को अहम सुराग हाथ लगा है। लूट की घटना के बाद से ही पुलिस लगातार आरोपी की पहचान जुटाने के प्रयास में जुटी थी।

छानबीन के दौरान घटनास्थल के आसपास लगे कई सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने पर पुलिस को एक संदेही नजर आया है, जो वारदात से पहले मौके पर रैकी करता नजर आ रहा है। सूत्रो के अनुसार पुलिस के हाथ यह जानकारी भी लगी है, की संदेही जिस बाइक से घूम रहा है, वह चोरी की है। जानकारी के अनुसार बसंत कुंज में रहने वाली तरण सहगल की पत्नी वर्षा सहगल घटना वाले दिन अपने बच्चों का आधार अपडेट कराने साकेत नगर स्थित एक निजी स्कूल गई थीं। काम के बाद वह बच्चों को स्कूल वैन से भेजकर अपनी एक्टिवा से घर लौट रही थीं। इसी दौरान एम्स और एम्प्री (आरआरएल) रोड के बीच पीछे से आई काली पल्सर बाइक पर सवार नकाबपोश युवक ने उनके गले में पहनी डेढ़ तोला सोने की चेन झपट ली और फरार हो गया। सीसीटीवी फुटेज में नजर आ रहा है, कि एक युवक काली बाइक पर था, आगे जांच के आधार पर पुलिस को आशंका है की बाइक चोरी की है।

लोकायुक्त कर्मचारी के घर से चोरी करने वाला नाबालिग गिरफ्तार

शराब और सूखे नशे की लत को पूरा करने के लिये करता था वारदात

भोपाल ■ अमृत दर्शन

देहात क्षेत्र की बागसेवनिया थाना पुलिस ने एक ऐसे नाबालिग आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो पहले सूने मकानो की रैकी करता और बाद में मौका लगने पर उस मकान में चोरी कर लेता था। थाना प्रभारी निरी.अमित सोनी ने जानकारी देते हुए बताया की भोलेनाथ कालोनी शिव मंदिर के पास टीला जमालपुरा, हाल पता 173/2 ए साकेत नगर बागसेवनिया में रहने वाले फरियादी रोहित कुमार रैकवार पिता जगदीश रैकवार (31) ने लिखित शिकायत करते हुए बताया की वह डाक्टर सुनील मलिक की क्लीनिक पर फार्मा इंचार्ज के काम के साथ ही डाक्टर के बंगले नंबर 491/9ए बीडीए साकेत नगर बागसेवनिया भोपाल की देख रेख भी करता है। बीती 1 दिसंबर को सुबह वह डॉक्टर के बंगले के ताले लगाकर चैक कर चला गया था। बाद में जब 6 दिसंबर को सुबह 9 बजे बंगले पर पहुंचा तो देखा कि बंगले के मैन गेट का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर देखने पर घर की बाथरुम के नल, टोंटी व एसी पाइप चोरी हो गये थे। घटना की जानकारी उसने बंगले के मालिक डाक्टर को देने के बाद पुलिस को दी है। इसी तरह फरियादी सुनील कोचकर पिता प्रभाकर कोचकर (61) निवासी सी-210 आदर्श नगर बागसेवनिया ने भी रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की वह लोकायुक्त कार्यालय में तकनीकी सहायक के पद पर पदस्थ है। इसी साल बीती 12 अप्रैल को वो अपनी पत्नी के साथ पंजाब मेल से मुंबई जाने के लिए घर से निकले थे। उकने घर के पोर्च में 2 खाली गैस के सिलेण्डर रखे थे। तीन दिन बाद जब वह वापस घर आये तो देखा की मकान के पोर्च में रखे दोनो खाली गैस के सिलेण्डर गायब मिले। अपने स्तर पर उन्होनें पहले सिलेण्डरो के संबंध में परिवार वालो और कंपनी से जानकारी जुटाई। लेकिन कोई जानकारी न मिलने पर वह समझ गये की सिलेण्डर को अज्ञात आरोपी चोरी कर ले गया है। घर में लगे सीसीटीवी कैमरे चैक करने पर उसमें एक संदिग्ध नजर आया। इसके बाद उन्होनें अपने स्तर पर उस संदेही की तलाश की लेकिन जब उसकी कोई जानकारी नही मिली तब 22 अप्रैल को वह पुलिस के पास पहुंचे। चोरी की दोनो ही घटनाओ में अज्ञात के खिलाफ मामला कायम कर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरु की। फुटेज के आधार पर लगातार प्रयासो के बाद आखिरकार टीम ने मुखबिर से मिली सूचना पर आरोपी किशोर को पकड़कर पूछताछ की जिसमें उसने दोनो मकानो मे चोरी करने का खुलासा कर दिया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने कीमती नल की टोटियां, एसी पाईप, शॉवर, गैस सिलेण्डर सहित डेढ़ लाख का माल बरामद किया है।

संक्षिप्त समाचार

महिला वकील को गुंडा लिस्ट में डालने वाले पुलिसकर्मियों पर 2 लाख रुपए हर्जाना

भोपाल। भोपाल कोर्ट ने महिला वकील वीणा गौतम को गुंडा लिस्ट में डालने पर तत्कालीन थाना प्रभारी अजय नायर और एसआई गौरव पांडे पर 2 लाख रुपए हर्जाना लगाया है। मामला पहले एसडीएम कोर्ट पहुंचा था, जहां 3 दिसंबर 2021 को पुलिस के दस्तावेजों को 'केस चलाए योग्य नहीं' मानते हुए कार्रवाई समाप्त की गई। इसके बाद वीणा ने कोर्ट में मानहानि का केस दायर किया। कोर्ट में वीणा ने बताया कि एसआई गौरव पांडे ने प्रतिपरीक्षण में स्वीकार किया कि उन्होंने 'अपनी मर्जी से' वकील का नाम गुंडा लिस्ट में डाला। इलाके में उनके खिलाफ किसी भी तरह की अशांति की शिकायत नहीं मिली थी। गुंडा लिस्ट में नाम आने के बाद लोग उनके पास केस लाना बंद कर चुके थे। कई मुवक्किलों ने यह कहते हुए केस वापस ले लिए कि 'जो खुद गुंडी कहलाए, वह पैरवी क्या करेगी।' कोर्ट ने पुलिस की कार्रवाई को मनमाना माना और दोनों अधिकारियों को हर्जाना देने का आदेश दिया। अजय नायर अभी इंदौर के अन्नपूर्णा थाने के टीआई हैं। वहीं गौरव पांडे रातीबड़ थाने में एसआई हैं।

घर से भटकी 80 साल की वृद्धा का डायल 112 जवानों ने घर पहुंचाया

भोपाल। भोपाल के थाना शाहपुरा क्षेत्र के तिलक नगर में 80 वर्षीय वृद्ध महिला घर का रास्ता भटकी गई। सूचना मिलने पर डायल- 112 जवानों ने काफी कोशिशे के बाद वापस उन्हें उनके परिजन से मिला दिया। जानकारी के अनुसार राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 में बीती रात 9:30 बजे सूचना मिली की थाना शाहपुरा क्षेत्र में तिलक नगर धाकड़ मेडिकल स्टोर के पास एक 80 वर्षीय वृद्ध महिला मिली हैं, जो घर की राह भटक गयी हैं। खबर मिलने पर शाहपुरा थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को फौरन ही मदद के लिए मौके पर रवाना किया गया। डायल-112 स्टाफ के प्रधान आरक्षक देवनाथ सिंह एवं पायलेट हनीफ मंसूरी ने मौके पर पहुँचकर बताया कि एक वृद्ध महिला घर का रास्ता भटक गयी थी। जवानों द्वारा वृद्ध महिला को एफआरवी वाहन से अपने साथ लेकर आस-पास उसके परिवार वालो की तलाश करते रहे। इस बीच जानकारी मिली की वृद्ध महिला गुजराती कालोनी की रहने वाली थी।

अगले साल जनवरी में शुरू होगा निशातपुरा रेलवे स्टेशन

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल को निशातपुरा के रूप में पांचवां रेलवे स्टेशन जल्द मिल सकता है। रेलवे ने तैयारियां तेज कर दी हैं और निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, जनवरी 2026 से स्टेशन का संचालन शुरू करने का लक्ष्य तय कर लिया गया है। स्टेशन शुरू होते ही भोपाल रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों का दबाव काफी हद तक कम हो जाएगा। इससे प्लेटफार्म पर भीड़ घटेगी और ट्रेनों की समयबद्धता में सुधार आएगा। इससे करोंद, लालघाटी, गांधी नगर, अयोध्या नगर, आनंद नगर, भीमनगर व आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, अगर भोपाल स्टेशन पर समाप्त होने वाली कुछ ट्रेनों का टर्मिनेशन निशातपुरा तक बढ़ाया जाता है, तो इंजन रिवर्सल की जरूरत खत्म हो जाएगी।

एमपी पुलिस की नकली नोट तस्करों के खिलाफ कमर तोड़ कार्यवाही जारी

उज्जैन और नीमच में 18 लाख के नकली नोट बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश पुलिस को नकली नोट के अवैध कारोबार के विरुद्ध महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। उज्जैन एवं नीमच पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाईयों में कुल 18 लाख रूपये के नकली नोट जब्त करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

उज्जैन पुलिस की कार्रवाई: थाना चिमनगंज मंडी एवं क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने कार्रवाई कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से 17 लाख 50 हजार रूपए के नकली 500 के नोट बरामद किए गए है। पूछताछ में उज्जैन-इंदौर के बीच सक्रिय एक संगठित नेटवर्क का खुलासा हुआ है। थाना चिमनगंज मंडी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति बड़ी मात्रा में नकली नोट लेकर उज्जैन में डिलीवरी के उद्देश्य से आ रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने राजरायल कॉलोनी और पांड्याखेड़ी ब्रिज क्षेत्र में घेराबंदी की। इसी दौरान ब्रिज के नीचे दो संदिग्ध युवक मिले जो पुलिस को देखकर भागने लगे, जिन्हें पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पकड़ा। पकड़े गए युवको से पूछताछ करने पर उन्होंने अपने नाम हिमांशु उर्फ चीनू गौसर निवासी गौघाट रेलवे कॉलोनी उज्जैन तथा दीपेश चौहान निवासी शिवगंगा सिटी, उज्जैन बताए। दोनों की तलाशी लेने पर हिमांशु के कब्जे से 11 लाख रूपए और दीपेश से 6 लाख 50 हजार रूपए के नकली नोट बरामद हुए। नोटों में सुरक्षा फीचर, धागा और माइक्रो प्रिंट जैसी चीज़ों की नकली कॉपी की गई थी, जिससे वे सामान्य नजर में असली प्रतीत होते थे। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे इंदौर में अरविन्दो अस्पताल के सामने स्थित श्री गंगा विहार कालोनी के एक फ्लैट में अपने साथी राजेश पिता टेकचंद बरबटे के साथ मिलकर नकली नोटों की छपाई करते थे। उन्होंने बताया कि वह 10 लाख रूपए नकली नोट के बदले 1 लाख रूपए असली नोट का सौदा किया करते थे। पूछताछ में यह भी ज्ञात हुआ की आरोपी हिमांशु पहले भी इंदौर में नकली नोट मामले में जेल जा चुका है। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने इंदौर स्थित फ्लैट पर दबिश दी। तलाशी में नोट प्रिंटिंग मशीन, हाई-सिक्योरिटी पेपर, सुरक्षा धागा, प्रिंटिंग केमिकल, कटर मशीन तथा बड़ी मात्रा में अधपकी एवं तैयार नकली नोट शीटें बरामद की गईं। फ्लैट को पूरी तरह एक मिनी प्रिंटिंग यूनिट के रूप में तैयार किया गया था, जिससे स्पष्ट होता है कि यह नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय था। आरोपियो के विरूद्ध थाना चिमनगंज मंडी में प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

नीमच पुलिस की कार्रवाई: थाना नीमच सिटी की टीम को सायबर सेल की मदद से बड़ी सफलता प्राप्त हुई। थाना प्रभारी निरीक्षक पुष्पासिंह चौहान के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में 500 रुपये के नोटों के 50 हजार रुपये कीमत के नकली नोट जब्त कर आरोपी ईश्वर पिता वर्दीचंद खारोल निवासी ग्राम सरजना को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथी सुनिल पिता श्यामदास बैरागी निवासी ग्राम सरजना के साथ मिलकर नकली नोट छापे थे। पुलिस द्वारा दूसरे आरोपी की तलाश की जा रही है।

निगम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से हटाए अतिक्रमण

ठेले, बोर्ड, जाली, सेटिंग प्लेट आदि की जप्त

भोपाल ■ अमृत दर्शन

नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमणों एवं अवैध निर्माणों को हटाने की कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने सीएम हेल्प लाईन, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों से अवैध चबूतरे, छप्पर, आवागमन में बाधक दो पहिया, चार पहिया वाहन, ट्रक व अन्य लोडिंग वाहनों को हटाया साथ ही सब्जी, जैकेट, कपड़े, मटके आदि की दुकानों एवं दुकानों के सामने रखा सामान, ठेले, गुमठी, काउंटर, पान पार्लर, बोर्ड आदि को भी हटवाया और रैम्प बोर्ड, लोहे की जाली, ठेले, सेटिंग प्लेट्स आदि जप्त किए।

निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने सोमवार को होशंगाबाद रोड गंगा नगर, कोलार डीमार्ट, राजीव गांधी कालेज, खाटूश्याम मंदिर, ललिता नगर, कोटरा सुल्तानाबाद, मैनिट चौराहा, राहुल नगर, 10 नम्बर बस स्टाफ, 07 नम्बर बस स्टाफ, नूतन कालेज, गेमन इंडिया, माता मंदिर, टीनशेड, जवाहर चैक, सरस्वती नगर, रंगमहल, टी.टी. नगर थाना, वल्लभ भवन, रानी कमलापति रेल्वे स्टेशन, हबीबगंज नाका, एम्स अस्पताल गेट नं.-02,03, रायसेन रोड, अवधपुरी, अशोका गार्डन, अशोका गार्डन सुंदर नगर, रेल्वे स्टेशन प्लेटफार्म नं.-1, हमीदिया रोड, रॉयल मार्केट, कोहेफिजा, बोट क्लब, कमला पार्क, एल.बी.एस हास्पिटल, हलालपुर बस स्टेण्ड, बैरागढ़, करोंद चौराहा आदि क्षेत्रों में अतिक्रमणों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए हलालपुर बस स्टैण्ड एवं बैरागढ़ में अवैध रूप से बनें चबूतरे, कोलार रोड खाटूश्याम मंदिर क्षेत्र में अवैध रूप से बना 01 छप्पर हटवाया साथ ही होशंगाबाद रोड से आवागमन में बाधक 01 ट्रक, 03 लोडिंग वाहन, हमीदिया रोड व एलबीएस हास्पिटल क्षेत्र से 20 दो पहिया व चार पहिया वाहनों को हटवाया और 03 ठेले, 04 सेटिंग प्लेट्स, मिक्सर मशीनों के 05 क्लीप, 04 लोहे की जालियां, 01 रैम्प बोर्ड आदि जप्त किए।

पुस्तकालय में और अधिक बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए

महापौर ने पंडित शीतल प्रसाद तिवारी पुस्तकालय का किया औचक निरीक्षण

भोपाल ■ अमृत दर्शन

महापौर श्रीमती मालती राय ने शिवाजी नगर स्थित पं. शीतल प्रसाद तिवारी पुस्तकालय का औचक निरीक्षण किया और पुस्तकालय में पाठकों की सुविधा हेतु उपलब्ध पुस्तकों, कम्प्यूटर्स, इंटरनेट वाईफाई आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त की साथ ही पाठकों से भी चर्चा की।

महापौर श्रीमती राय ने अपने समक्ष ही इंटरनेट चालू कराया और पुस्तकालय की सभी व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्थानीय पार्षद योगेन्द्र सिंह चौहान ''गुड्डू'', पार्षद श्रीमती शिखा गोहल व निगम अधिकारी व पाठकगण मौजूद थे।

महापौर श्रीमती मालती राय ने शिवाजी नगर 05 नंबर स्टॉप स्थित पं. शीतल प्रसाद तिवारी पुस्तकालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर श्रीमती राय ने पुस्तकालय में पुस्तकों की उपलब्धता के साथ कंप्यूटर, इंटरनेट, वाईफाई सहित अन्य सुविधाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की साथ ही पुस्तकालय में मौजूद पाठकगणञ्चविद्यार्थियों से भी चर्चा कर पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया और उनके अध्ययन के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की।

बाइक टकराने पर विवाद में मां-बेटों की हत्या का प्रयास

भोपाल। पुराने शहर के छोला मंदिर थाना इलाके में बाइक टकराने को लेकर हुए विवाद में बदमाशों ने मां और उसके दो बेटों पर चाकू व डंडों से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने मामले में आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला कायम कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 45 वर्षीय उमेदी गुर्जर शबरी नगर भानपुर में रहती है। बीती रात करीब साढ़े नौ बजे वे अपने घर के बाहर बैठकर अलावा ताप रही थीं। इसी दौरान मोहल्ले में रहने वाला रोहित नाम का युवक अपनी बाइक से उनके घर के सामने से तेज रफ्तार से काफी नजदीक से गुजरा। जब उन्होनें उसे बाइक देख कर और धीरे चलाने को कहा तब वह दुर्व्यवहार करने लगा। आवाजे सुनकर उनके बेटे आ गये और उन्होनें भी रोहित को समझाइश देते हुए गाली-गलौच करने से मना किया। इस पर आरोपी भड़क गया और अपने साथी को बुला लिया। दोनो ने मॉ बेटो पर डंडो और धारदार हथियार से वार कर घायल कर दिया और बाद में धमकाते हुए फरार हो गए। बाद में घायलो को इलाज के लिये अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने आरोपी रोहित और उसके साथी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला कायम कर उनकी धरपकड़ के प्रयास शुरु कर दिये है।

तीन शूटरों के खिलाफ मामले दर्ज

अपराध छिपाकर शस्त्र लायसेंस बनवाना अब पड़ा महंगा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल जिले में हाल ही में खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले शूटरों के शस्त्र लाइसेंस दस्तावेजों के वेरिफिकेशन किये जाने के दौरान कई चौंकाने वाली खामियां सामने आई है। जॉच के दौरान पता चला की कलेक्टर-स्तरीय समिति ने जिन 30 शूटरों के लाइसेंस अगस्त में निलंबित किए थे, उनमें से तीन ने अपने आपराधिक रिकॉर्ड छिपाए थे। राजस्व विभाग और पुलिस विभाग के संयुक्त जाँच दल को पता चला की कई शस्त्र लाइसेंस पाने वालो ने अपना अपराध छिपाकर लाइसेंस का नवीनीकरण कराया या नए लाइसेंस बनवाए। जाँच में सामने आया कि शस्त्र लाइसेंसी ने दिये गये शपथ पत्र में दावा किया कि उनके खिलाफ किसी थाने में कोई अपराध दर्ज नहीं है।

जबकि जाँच में पता चला कि हसीब खान (गिन्नौरी भोपाल), फैजान खान (काजी कैम्प भोपाल) और साहिब उर रहमान (कोहेफिजा भोपाल) के विरुद्ध पहले से अपराध दर्ज था। लेकिन इसके बाद भी इन लोगो ने अपने दर्ज अपराध की जानकारी छिपाकर शस्त्र लाइसेंस का नवीनीकरण या नवीन लाइसेंस बनवाया।

इस मामले में थाना तलैया, हनुमानगंज और थाना कोहेफिजा की पुलिस ने संबंधित तीनों आरोपीयों के खिलाफ भादवि, बीएनएस और आर्म्स एक्ट की धाराओं में अलग-अलग मामले दर्ज किये है। आरोपियो में शामिल हसीब खान निवासी गिन्नौरी, तलैया, शादी हाल व मैरिज गार्डन संचालक है, वहीं फैजान खान व्यापारी और साहिब-उर-रहमान बिल्डर है।

भोपाल प्रशासन ने इस साल शूटिंग रेंज में रजिस्टर्ड 77 शूटरों से पिछले पाँच सालो में लिए गए कारतूसों का ब्योरा मांगा था। लेकिन संतोषजनक उत्तर न मिलने पर जांच शुरू की गई जिसमें रिकॉर्ड में भारी गड़बड़ियां सामने आईं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की समीक्षा

हर पात्र हितग्राही तक खाद्यान्न योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचना सुनिश्चित हो : मुख्यमंत्री

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को खजुराहो स्थित कन्वेंशन सेंटर में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि हर पात्र हितग्राही तक खाद्यान्न वितरण का लाभ सुगमता से पहुंचे। जरूरतमंद गरीबों, श्रमिकों, किसानों और महिलाओं का कल्याण हमारी प्राथमिकता है।

बैठक में मुख्य रूप से लक्षित सार्वजनिक प्रणाली, उपार्जन प्रक्रिया, तकनीकी नवाचार, सिंहस्थ 2028 की तैयारियों सहित विभिन्न विषयों पर रिव्यू किया गया। इस दौरान डॉ. यादव ने विभाग द्वारा किए गए नवाचारी प्रयासों की सराहना की, वहीं अन्य विषयों पर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

बैठक में विभाग द्वारा पात्र हितग्राहियों के ई-केवाइसी एवं राइट फुल टारगेटिंग कार्य की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि यह प्रक्रिया नियमित अंतराल में दोहराई जाए, ताकि प्रत्येक पात्र हितग्राही को नि:शुल्क खाद्यान प्राप्त हो सके। उल्लेखनीय है कि खाद्य संचालनालय द्वारा वृहद स्तर पर कैंपेन मोड में ई केवाइसी एवं राइट फुल टारगेटिंग का कार्य किया गया था। जिसमें चरण वार हितग्राहियों के वेरीफिकेशन के बाद 34 लाख से अधिक हितग्राहियों का पोर्टल से विलोपन किया गया। वहीं इस प्रक्रिया से प्रतीक्षा सूची से लगभग 14 लाख हितग्राहियों को नवीन पात्रता पर्ची जारी कर नि:शुल्क खाद्यान का वितरण किया जा रहा है।

समीक्षा बैठक में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई एवं श्रीमती रश्मि अरुण शमी सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। प्रदेश में खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 में शामिल 536.23 लाख पात्र हितग्राहियों में से 93% यानी 497.08 लाख हितग्राहियों का ई-केवाईसी पूर्ण किया जा चुका है।

प्राथमिकता श्रेणी बनाकर 25.18 लाख नवीन श्रमिकों को नि:शुल्क वितरण

बैठक में बताया गया कि ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत श्रमिकों को नि:शुल्क राशन का लाभ मिल सके, इसके लिए असंगठित एवं प्रवासी श्रमिकों की 29वीं प्राथमिकता श्रेणी बनाकर 7.25 लाख परिवारों के 25.18 लाख नवीन श्रमिकों को पात्रता पर्ची के माध्यम से नि:शुल्क राशन वितरित किया जा रहा है। दो वर्ष में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में 5.25 करोड़ से अधिक पात्र हितग्राहियों को 19,935 करोड़ रुपये का 66.37 लाख मीट्रिक टन नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण किया गया। पीडीएस प्रदाय केंद्रों की संख्या में भी बढ़ोतरी की गई।

किसानों को एमएसपी के लाभ के साथ बोनस और प्रोत्साहन राशि भी मिली

किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिले इसके लिए प्रदेश सरकारी द्वारा रबी विपणन वर्ष 2024-25 और 2025-26 में एमएसपी पर गेंहू बेचने वाले किसानों को 29558.40 करोड़ रुपये की एमएसपी राशि और 1965 करोड़ रुपये के बोनस का भुगतान किया गया है। वहीं खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को 19208.76 करोड़ रुपये की एमएसपी राशि एवं 337.11 करोड़ की प्रोत्साहन राशि का भुगतान मुख्यमंत्री कृषि उन्नति योजना के अंतर्गत किया गया है।

अनमोल वचन

खुशी केवल उन्हीं व्यक्तियों को प्राप्त होती है जो कि दूसरों को खुश करने के लिए प्रयासरत रहते है।
अज्ञात

भविष्य केवल उनका है जो सपनों की सुंदरता में यकीन करते है।
एलेअनोर रूज़वेल्ट

सम्पादकीय

सुप्रीम कोर्ट का त्वरित सुनवाई से इनकार

भारत में इंडिगो द्वारा पिछले एक सप्ताह में हजारों फ्लाइट कैंसिल कर दी गई। दिल्ली, श्रीनगर, हैदराबाद, बेंगलुरु, अहमदाबाद सहित अन्य एयरपोर्ट में अभी तक हजारों फ्लाइट कैंसिल हो चुकी हैं। एक दिन पहले ही इंडगो एयरलाइन ने 650 से ज्यादा उड़ाने रद्द कर दी थीं। देश के सभी एयरपोर्ट में मारामारी मची हुई है। देसी और विदेशी यात्री एयरपोर्ट पर परेशान हो रहे हैं। उनका सामान उन्हें वापस नहीं मिल रहा है। फ्लाइट कैंसिल होने की सूचना उन्हें समय पर नहीं दी गई। जो यात्री विमानतल के अंदर थे, उनकी सुख-सुविधा का ध्यान भी नियमानुसार इंडिगो ने नहीं रखा। यात्रियों में महिलाएं और बच्चे बुरी तरह से परेशान होते रहे। बच्चों को पीने के लिए दूध नहीं मिला। महिलाओं को सैनिटरी पेड नहीं मिले। 24 घंटे से ज्यादा हवाई यात्री विमानतलों पर कैद रहे। उनको सुनने वाला कोई नहीं था। उन्हें विमानतल पर खाना नहीं मिला। इससे बड़ी अव्यवस्था क्या हो सकती थी। इंडिगो एयरलाइंस अपनी जिम्मेदारी से लगातार भागती रही। अन्य एयरलाइन कंपनियों ने इसका भरपूर फायदा उठाया। 40,000 से लेकर 100000 रूपये तक में टिकट बेची गई। सरकार चुपचाप तमाशा देखती रही। यात्री परेशान होते रहे। पिछले एक सप्ताह से भारत के विमानतलों पर जिस तरह से यात्री परेशान हो रहे हैं, उनका आर्थिक शोषण किया जा रहा है, उन्हें शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना दी जा रही है। इसके बाद भी सरकार और सुप्रीम कोर्ट जिस तरह से विमानन कंपनी इंडिगो के सामने आत्मसमर्पण करते हुए दिख रहे हैं, उसको लेकर यात्रियों में भारी गुस्सा है। हर कोई अपनी जवाबदारी से बच रहा है। हवाई जहाज के यात्रियों को उनके भाग्य भरोसे छोड़ दिया गया है। सरकार ने चार दिन बाद इंडगो एयरलाइन कंपनी से कहा, वह यात्रियों के टिकट के पैसे रविवार की शाम तक वापस कर दे। सरकार ने कारण बताओ नोटिस देकर इति श्री कर ली। हजारों की संख्या में यात्रियों की फ्लाइट कैंसिल हुई थी। कई को विदेश जाने की फ्लाइट नहीं मिली। हवाई यात्रियों को तरह-तरह की परेशानियां अभी भी हो रही हैं। देसी और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर इसका असर पड़ा है। डीजीसीए के अधिकारी हाथ पर हाथ धरे बैठे हुए हैं। उड्डयन मंत्रालय भी इंडिगो एयरलाइंस के सामने बेबस नजर आ रहा है। जिस तरह की स्थिति भारत में बनी है, उसको लेकर सारी दुनिया के देशों में भारत ओर एयरलाइन कंपनियों की सेवाओं को लेकर तरह-तरह की चर्चा होने लगी है। सारे विश्व में भारत की छवि धूमिल हो गई है। भारत में नियम-कानून और कानून व्यवस्था को लेकर किस तरह की स्थिति है इसे सारी दुनिया के देशों ने जान लिया है। 50000 से ज्यादा देसी और विदेशी यात्री पिछले एक सप्ताह से परेशान होकर यहां से वहां भटक रहे हैं। इतने गंभीर मामले को भी सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनने से मना कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस मामले को यह कहते हुए सुनने से मना कर दिया है, भारत सरकार पहले ही एक्शन ले चुकी है। इस मामले की सुनवाई वह 10 दिसंबर को करेंगे। सरकार ने क्या एक्शन लिया है यह भी सुप्रीम कोर्ट ने जानने की जहमत नहीं उठाई। मुख्य न्यायाधीश की यह टिप्पणी, वह एयरलाइन नहीं चला सकते हैं। इससे भारत के लोगों को बड़ी निराशा हुई है। नागरिकों का मानना था, कि सुप्रीम कोर्ट स्वयं संज्ञान लेकर इस मामले की सुनवाई करता। यात्रियों को फौरी तौर पर राहत देने के लिए कोई आदेश करता। वह तो सुप्रीम कोर्ट ने किया नहीं। जब यात्रियों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका लगाई गई। इंडिगो की फ्लाइट कैंसिल होने के कारण जिन यात्रियों को परेशानी हो रही है। उन्हें तत्काल राहत देने के निर्देश केंद्र सरकार और विमानन कंपनी को दिए जाएं। नियमों का पालन एयरलाइन कंपनी से कराया जाए। यात्रियों से जिस तरह का मनमाना किराया वसूल किया जा रहा है, उस पर तत्काल रोक लगाई जाए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने याचिका की तत्काल प्रारंभिक सुनवाई करने से ही इनकार कर दिया। इस कारण यात्रियों को कहीं से भी कोई राहत मिलती हुई दिख नहीं रही है। यात्रियों को तत्काल राहत की आवश्यकता थी। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार और कंपनियों के भरोसे हजारों यात्रियों को उन्हीं के भरोसे छोड़ दिया, जो उन्हें तकलीफ दे रहे हैं। पिछले एक सप्ताह से यात्री परेशान हैं। उनके साथ छोटे बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं भी हैं। जो बुरी तरह से परेशान हैं। सरकार और विमानन कंपनियां गंभीरता के साथ यात्रियों की परेशानी का निराकरण कर रही होती। यात्रियों को राहत पहुंचाने का कोई प्रयास कर रही होती। तो यात्रियों को सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में याचिका लगाने की जरूरत नहीं होती। जिस तरह से न्यायपालिका ने मामले को सुनने से इनकार किया है। इसके बाद यह धारणा बनने लगी है। न्यायपालिका ऐसे किसी भी मामले की सुनवाई नहीं करना चाहती है। जिससे सरकार को कोई परेशानी हो। सुप्रीम कोर्ट जैसी सर्वोच्च संस्था यदि नागरिकों को सरकार और कार्यपालिका के भरोसे छोड़ देगी तो ऐसी स्थिति में न्यायपालिका की साख और न्यायपालिका के ऊपर आम नागरिकों का जो विश्वास होता है वह विश्वास भविष्य में देखने को नहीं मिलेगा। देश में अराजकता की स्थिति बनेगी। कार्यपालिका और विधायिका जिस तरह से अपनी जवाबदेही से बच रही है, न्याय पालिका मे भी जब नागरिकों के अधिकारों की रक्षा नहीं होगी, ऐसी स्थिति में न्याय पालिका की भूमिका भी कोई मायने नहीं रखेगी। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है। आगे चलकर कानून व्यवस्था की स्थिति भी प्रभावित हो सकती है। लोग अपने तरीके से न्याय पाने की कोशिश करेंगे। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट को इस तरह के मामले में स्वयं संज्ञान लेकर कार्रवाई करने की आशा की जाती है। हवाई यात्री भारी भरकम किराया देकर यहां से वहाँ यात्रा करते हैं।

चिंतन-मनन

ज्ञान के रास्ते पर

गौतम बुद्ध के प्रवचन में एक व्यक्ति रोज आता था और बड़े ध्यान से उनकी बातें सुनता था। बुद्ध अपने प्रवचन में लोभ, मोह, द्वेष और अहंकार छोड़ने की बात करते थे। एक दिन वह व्यक्ति बुद्ध के पास आकर बोला- मैं लगभग एक महीने से आपके प्रवचन सुन रहा हूं। पर क्षमा करें, मेरे ऊपर उनका कोई असर नहीं हो रहा है। इसका कारण क्या है? क्या मुझमें कोई कमी है?

बुद्ध ने मुस्कराकर पूछा- यह बताओ, तुम कहां के रहने वाले हो?
उस व्यक्ति ने कहा- श्रावस्ती।
बुद्ध ने पूछा- श्रावस्ती यहां से कितनी दूर है?, उसने दूरी बताई।
बुद्ध ने पूछा- तुम वहां कैसे जाते हो?
व्यक्ति ने कहा- कभी घोड़े पर तो कभी बैलगाड़ी में बैठकर जाता हूं।
बुद्ध ने फिर प्रश्न किया- कितना समय लगता है?, उसने हिसाब लगाकर समय बताया।
बुद्ध ने कहा- यह बताओ क्या तुम यहां बैठे-बैठे श्रावस्ती पहुंच सकते हो

व्यक्ति ने आश्चर्य से कहा- यहां बैठे-बैठे भला वहां कैसे पहुंचा जा सकता है। इसके लिए चलना तो पड़ेगा या किसी वाहन का सहारा लेना पड़ेगा।

बुद्ध मुस्कराकर बोले- तुमने बिल्कुल सही कहा। चलकर ही लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है। इसी तरह अच्छी बातों का प्रभाव भी तभी पड़ता है जब उन्हें जीवन में उतारा जाए। उसके अनुसार आचरण किया जाए। कोई भी ज्ञान तभी सार्थक है जब उसे व्यावहारिक जीवन में उतारा जाए। मात्र प्रवचन सुनने या अध्ययन करने से कुछ भी प्राप्त नहीं होता।

उस व्यक्ति ने कहा- अब मुझे अपनी भूल समझ में आ रही है। मैं आपके बताए मार्ग पर आज से ही चलूंगा। बुद्ध ने उसे आशीर्वाद दिया।

सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी, कानून, करुणा और राष्ट्रीय हित के बीच संतुलन

कांतिलाल मांडोत

जिसमें आरोप लगाया गया था कि मई माह में कुछ रोहिंग्या लोगों को हिरासत में लिए जाने की प्रक्रिया विधिसम्मत नहीं थी। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी व्यक्ति की हिरासत और प्रत्यर्पण चाहे वह भारतीय नागरिक हो या गैर-कानूनी रूप से आया विदेश सिर्फ कानून के अनुसार ही किया जा सकता है। यह टिप्पणी केवल न्यायिक अनुशासन की याद नहीं दिलाती, बल्कि भारत की लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता पर भी जोर देती है।

सुप्रीम कोर्ट में हालिया सुनवाई के दौरान रोहिंग्या शरणार्थियों के मुद्दे पर हुई सख्त टिप्पणी ने देशव्यापी बहस को फिर जीवित कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ एक हेबियस कॉर्पस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि मई माह में कुछ रोहिंग्या लोगों को हिरासत में लिए जाने की प्रक्रिया विधिसम्मत नहीं थी। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी व्यक्ति की हिरासत और प्रत्यर्पण चाहे वह भारतीय नागरिक हो या गैर-कानूनी रूप से आया विदेश सिर्फ कानून के अनुसार ही किया जा सकता है। यह टिप्पणी केवल न्यायिक अनुशासन की याद नहीं दिलाती, बल्कि भारत की लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता पर भी जोर देती है। मानवीय संकट और कानूनी दायरे का संघर्ष भी विचार के बिंदु है।

रोहिंग्या समुदाय पिछले एक दशक से अधिक समय से अंतरराष्ट्रीय विमर्श का विषय रहा है। म्यांमार में उन्हें लंबे समय से राजनीतिक और धार्मिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, जिसके बाद वे बड़ी संख्या में बांग्लादेश होते हुए भारत आए। उनका भारत में प्रवेश कानूनी नहीं था, लेकिन उनका आगमन मानवीय संकट से उत्पन्न हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने यह दोहराया कि मानवीय संकट समझ में आता है, पर भारत जैसे संप्रभु राष्ट्र के लिए कानून सर्वोपरि है। न्यायालय ने कहा कि प्रक्रियाएं ताकत की नहीं, व्यवस्था की भाषा बोलती हैं।इसलिए किसी भी व्यक्ति के साथ थर्ड डिग्री व्यवहार अस्वीकार्य है।

यहां न्यायालय ने संतुलन साधने की कोशिश की।एक ओर उन्होंने सरकार को याद दिलाया कि हिरासत और वापसी का हर कदम कानून के अनुरूप होना चाहिए, दूसरी ओर यह भी स्पष्ट किया कि अवैध प्रवेश को किसी भी तरह सामान्य नहीं माना जा सकता। अदालत की यह स्थिति भारत के संवैधानिक ढांचे के अनुसार अपेक्षित है, जहां करुणा और कानून दोनों के लिए स्थान है, लेकिन दोनों की सीमाएँ भी स्पष्ट हैं।राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक तानाबा भी नाजरूरी है।

रोहिंग्या मुद्दा भारत में केवल शरणार्थी प्रश्न भर नहीं है। इसे कई सरकारें सुरक्षा, जनसांख्यिकीय दबाव, और स्थानीय संसाधनों पर बोझ के रूप में भी देखती रही हैं। याचिका में कहा गया कि रोहिंग्या समुदाय अक्सर कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने का प्रयास करता है, पहचान दस्तावेज़ हासिल करने में सफल हो जाता है, और कई स्थानों पर स्थानीय आंकड़ों व चुनावी प्रक्रियाओं तक को प्रभावित करता है। अदालत ने इस चिंता को पूरी तरह खारिज नहीं किया। विशेष रूप से न्यायालय की टिप्पणी थी कि देश में पहले से ही करोड़ों गरीब भारतीय नागरिक हैं जिनकी जरूरतों पर ध्यान देना आवश्यक है।एक कठोर पर यथार्थवादी संकेत था। अदालत यह दिखाना चाहती थी कि संसाधन असीमित नहीं हैं और कल्याणकारी नीतियाँ प्राथमिक रूप से नागरिकों के लिए बनी हैं। वहीं, यह भी संकेत दिया गया कि कोई भी व्यक्ति, चाहे वह अवैध प्रवासी ही क्यों न हो, अत्याचार का पात्र नहीं बन सकता। कानून का उल्लंघन एक अलग प्रक्रिया मांगता है, और मानव गरिमा एक अलग।

भारत की सुरक्षा एजेंसियाँ वर्षों से दावा करती रही हैं कि रोहिंग्या समूहों के बीच अपराध और अवैध गतिविधियों में शामिल नेटवर्क सक्रिय पाए गए हैं।चाहे वह सीमा पार घुसपैठ के तरीके हों, फर्जी दस्तावेज़ तैयार करना हो या संगठित गिरोहों से जुड़ाव। हालांकि, यह भी सच है कि अपराध में शामिल कुछ व्यक्तियों के आधार पर पूरे समुदाय को अपराधी मान लेना न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता। यह द्वंद्व भारत की सुरक्षा नीति और मानवीय दायित्व के बीच लंबे समय से चलता आ रहा है। सीमाएँ, सुरंगें और अवैध प्रवेश के रास्ते सिरदर्द बना हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का एक संदर्भ यह भी था कि रोहिंग्या अक्सर सुरंग बनाकर या बाड़ काटकर भारत में घुस आते हैं। यह तथ्य सुरक्षा एजेंसियों द्वारा कई बार बताया गया है। भारत-म्यांमार सीमा का भूगोल जटिल है।घने जंगल, लंबी खुली सीमाएँ और कई स्थानों पर पारंपरिक आवागमन। इस परिस्थिति में सीमा सुरक्षा बल के लिए अवैध प्रवेश पूरी तरह रोक देना व्यवहारिक कठिनाई है। जब ऐसे समूह देश में पहुंच जाते हैं, तब कानून उन्हें विदेशी घोषित करता है और उनके रहने, घूमने या काम करने पर प्रतिबंध लगाता है। इसके बावजूद, वर्षों से कई रोहिंग्या शिविरों में बसते गए, कुछ ने स्थानीयता हासिल कर ली, और यह स्थिति आगे चलकर प्रशासन के सामने जटिल चुनौतियाँ बनती गई। प्रत्यर्पण और कानून का ढांचा ही सर्वोपरि है। सवाल यह है कि रोहिंग्या को उनके देश वापस कैसे भेजा जाए? भारत ने म्यांमार से इस मुद्दे पर कई बार संवाद किया है, परंतु म्यांमार की राजनीतिक अस्थिरता और सैन्य शासन के चलते प्रत्यर्पण की प्रक्रिया लगभग ठप है। सुप्रीम कोर्ट ने यहाँ पर बिल्कुल सीधी बात कहीहै।जब तक प्रक्रिया शुद्ध न हो, वापसी एकतरफा नहीं की जा सकती। इसका स्पष्ट अर्थ है कि हिरासत का आदेश, कारण, कागजी कार्यवाही, और पर्याप्त न्यायिक समीक्षा सभी अनिवार्य हैं।

अदालत ने कार्पेट बिछाने की टिप्पणी का उपयोग करते हुए एक व्यंग्यात्मक रूप से यह भी जताया कि शरण देने का कोई खुला निमंत्रण भारत नहीं दे सकता। करुणा के साथ-साथ, राष्ट्रीय हित और सीमा प्रबंधन भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। सामाजिक तनाव और प्रशासनिक दबाव के चलते स्थिति विकट बन चुकी है।

भारत के कई शहरों में रोहिंग्या कॉलोनियाँ बढ़ी हैं। जम्मू, दिल्ली, हैदराबाद, जयपुर और जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में उनकी उपस्थिति स्थानीय आबादी के बीच असंतोष का विषय बनी है। स्थानीय लोग अक्सर दावा करते हैं कि इन बस्तियों के आसपास अपराध बढ़ता है, नौकरी बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ती है और अवैध निर्माण तेजी से फैलता है। हालांकि ये दावे कितने प्रमाणित हैं, यह अलग प्रश्न है, लेकिन प्रशासनिक दृष्टि से अवैध बस्तियों का प्रबंधन हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी यह भी दर्शाती है कि जब देश के नागरिक ही समुचित कल्याण से वंचित हों, तब संसाधनों का हस्तांतरण अवैध प्रवासियों की ओर करना राजनीतिक और प्रशासनिक रूप से न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता।

मानवाधिकार और राज्य की जिम्मेदारियाँ भी बनती है। हालाँकि अवैध प्रवेश एक अपराध है, पर मानवाधिकार मानकों के तहत किसी भी व्यक्ति के साथ असम्मानजनक व्यवहार नहीं किया जा सकता। भारत अंतरराष्ट्रीय शरणार्थी संधि का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है, फिर भी गैर-धकियाई सिद्धांत' को अक्सर वह व्यवहारिक रूप से मानता है।जिसमें किसी भी व्यक्ति को उसकी जान-माल के खतरे वाली जगह पर नहीं भेजा जाता। अदालत ने भी इस सिद्धांत को अप्रत्यक्ष रूप से स्वीकारते हुए कहा कि प्रक्रिया ही अंतिम आधार है। कानून किसी भी सरकार को मनमर्जी की अनुमति नहीं देता।

भ्रष्टाचार मुक्त भारतः स्वयं से सुधार का संकल्प

डॉ.राघवेंद्र शर्मा

भारतीय राजनीति और प्रशासन के इतिहास में एक दौर वह भी था, जब भ्रष्टाचार को व्यवस्था का हिस्सा मान लिया गया था। देश के एक पूर्व प्रधानमंत्री ने स्वयं स्वीकार किया था कि केंद्र सरकार जब दिल्ली से 1 रुपया भेजती है, तो गरीब की जेब तक केवल 15 पैसे ही पहुँचते हैं। वह 85 पैसों का लीकेज बिचौलियों, भ्रष्ट अधिकारियों और पारदर्शी तंत्र के अभाव की भेंट चढ़ जाता था। यह केवल आर्थिक हानि नहीं थी, बल्कि करोड़ों देशवासियों के भरोसे की हत्या थी। संसाधनों का यह असमान वितरण और संस्थागत भ्रष्टाचार ही वह कारण था।

भ्रष्टाचार किसी भी राष्ट्र की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा और समाज की जड़ों को खोखला करने वाली एक लाइलाज बीमारी के समान है। हर साल 9 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस मनाया जाता है, जो हमें याद दिलाता है कि एक पारदर्शी और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण केवल सरकारी नीतियों से नहीं, बल्कि सामूहिक नागरिक चेतना से ही संभव है। इस वर्ष का यह दिवस न केवल भ्रष्टाचार के खिलाफ वैश्विक एकजुटता का प्रतीक है, बल्कि भारत के संदर्भ में यह आत्म-मंथन का भी समय है कि हमने इस सामाजिक बुराई से निपटने में कितनी दूरी तय की है और अभी कितनी राह बाकी है।

भारतीय राजनीति और प्रशासन के इतिहास में एक दौर वह भी था, जब भ्रष्टाचार को व्यवस्था का हिस्सा मान लिया गया था। देश के एक पूर्व प्रधानमंत्री ने स्वयं स्वीकार किया था कि केंद्र सरकार जब दिल्ली से 1 रुपया भेजती है, तो गरीब की जेब तक केवल 15 पैसे ही पहुँचते हैं। वह 85 पैसों का लीकेज बिचौलियों, भ्रष्ट अधिकारियों और पारदर्शी तंत्र के अभाव की भेंट चढ़ जाता था। यह केवल आर्थिक हानि नहीं थी, बल्कि करोड़ों देशवासियों के भरोसे की हत्या थी। संसाधनों का यह असमान वितरण और संस्थागत भ्रष्टाचार ही वह कारण था, जिसने दशकों तक भारत के विकास की गति को थामे रखा।

वर्तमान परिदृश्य में, विशेषकर पिछले दशक में, भारत ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध तकनीकी प्रहार किया है। मोदी सरकार की वर्तमान कार्य प्रणाली और डिजिटल इंडिया अभियान ने शासन में अभूतपूर्व पारदर्शिता का संचार किया है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर की नीति ने उन बिचौलियों को व्यवस्था से बाहर कर दिया है जो गरीबों का हक मारते थे। आज जब केंद्र से पैसा चलता है, तो वह सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में बिना किसी कटौती के पहुँचता है। भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में कुछ प्रमुख कारकों ने बड़ी भूमिका निभाई है। सरकारी सेवाओं का डिजिटलीकरण होने से मानवीय हस्तक्षेप कम हुआ है, जिससे सुविधा शुल्क या रिश्वत की गुंजाइश घटी है। जीएसटी जैसी एकीकृत कर प्रणाली ने कर चोरी को कठिन बना दिया है और व्यापारिक लेन-देन में पारदर्शिता बढ़ाई है। बेनामी संपत्ति अधिनियम और भगोड़े आर्थिक अपराधी कानून जैसे कदमों ने भ्रष्टाचारियों के मन में कानून का भय पैदा किया है।भ्रष्टाचार केवल फाइलों या दफ्तरों तक सीमित नहीं है। यह एक मानसिक प्रवृत्ति भी है। अक्सर हम तंत्र को दोष देते हैं, लेकिन अपनी सुविधा के लिए शॉर्टकट खोजने से नहीं चूकते। यहाँ यह नारा अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है- सुधार की शुरुआत स्वयं से करनी होगी। यदि समाज भ्रष्टाचार को सामाजिक रूप से बहिष्कृत करना शुरू कर दे और नागरिक लेने और देने दोनों से इनकार कर दें, तो कोई भी भ्रष्ट तंत्र अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकता। हम सुधरेंगे, जग सुधरेगा का मंत्र हमें यह सिखाता है कि ईमानदारी एक व्यक्तिगत विकल्प है जो आगे चलकर एक सामाजिक क्रांति का रूप ले लेती है। जब प्रत्येक व्यक्ति अपने कार्यक्षेत्र में सत्यनिष्ठा अपनाता है, तो भ्रष्टाचार की जड़ें अपने आप कमजोर होने लगती हैं। कानून और तकनीक भ्रष्टाचार को कम तो कर सकते हैं, लेकिन इसे जड़ से मिटाने के लिए सामाजिक चेतना और जागरूकता अनिवार्य है। जब तक समाज में भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस (शून्य सहनशीलता) का भाव पैदा नहीं होगा, तब तक इस बुराई का पूर्ण उन्मूलन संभव नहीं है। आगामी समय में हमें निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

नैतिक शिक्षाः स्कूलों और परिवारों में ईमानदारी को सर्वोच्च मूल्य के रूप में स्थापित करना।

व्हिसलब्लोअर का संरक्षणः उन साहसी लोगों को सुरक्षा प्रदान करना जो भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाते हैं।

प्रशासनिक जवाबदेहीः लोक सेवकों को जनता के प्रति जवाबदेह बनाना ताकि वे स्वयं को स्वामी नहीं बल्कि सेवक समझें।

निष्कर्ष यह कि 9 दिसंबर का यह दिन केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि एक प्रतिज्ञा का दिन है। भारत आज विश्व पटल पर एक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। इस गौरवशाली यात्रा में भ्रष्टाचार की बेड़ियाँ हमारे पैरों में नहीं पड़नी चाहिए। सरकार ने नीतिगत स्तर पर पारदर्शिता का जो ढांचा तैयार किया है, उसे सशक्त बनाने की जिम्मेदारी अब समाज की है।

भ्रष्टाचार मुक्त भारत का सपना तभी साकार होगा जब 140 करोड़ भारतीय यह ठान लेंगे कि वे न तो भ्रष्टाचार का हिस्सा बनेंगे और न ही इसे मूकदर्शक बनकर सहेंगे। आइए, इस अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस पर हम स्वयं से सुधार का संकल्प लें, क्योंकि पारदर्शी भारत ही समृद्ध भारत की नींव है।

(लेखक मध्यप्रदेश के अधिमान्य पत्रकार हैं।)

भारत के मतदाताओं ने एक अधिनायक वादी शासन को वोट के जरिये सत्ता से बाहर कर दिया

स्वपन दास गुप्ता

चुनाव आयोग (ईसीआई) की यह सुनिश्चित करने की क्षमता कि जनमानसकी इच्छा विधायिकाओं में परिलक्षित हो, स्वतंत्रता प्राप्ति के पिछले सात दशकों में बार-बार परखी गई है। हालाँकि, मार्ग से विचलित होने के उदाहरण मौजूद हैं-इनमें 1972 का पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव और 1987 का जम्मू-कश्मीर चुनाव, दो उल्लेखनीय उदाहरण हैं-लेकिन, भारत का चुनावी अनुभव आमतौर पर राजनीतिक प्रणाली की वैधता बनाए रखने में सहायक रहा है। जैसा कि सर्वाधिक मत से जीत की प्रणाली (फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट) में होता है, जो विधायी बहुमत को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाती है, ऐसे उदाहरण भी हैं,जब हारने वाले लोग हैरानी में रह गएजिनके चुनावी अभियानके अनुभवपरिणाम से मेल नहीं खाते थे। 1971 में, एक पराजित पक्ष ने जोर देकर कहा कि सोवियत-निर्मित 'अदृश्य स्याही 'के उपयोग ने इंदिरा गांधी को शानदार जीत हासिल करने में मदद की। उपग्रह द्वारा ईवीएम के हेरफेर के ऐसे ही अविश्वसनीय दावे 2009 के आम चुनाव के बाद भी सुने गए थे। जो कभी साजिश सिद्धांतकारों का विशेषाधिकार हुआ करता था, वह पिछले वर्ष अब हाशिए का मुद्दा नहीं रहा है।अपनी पार्टी के संख्या-विश्लेषकों से प्रोत्साहित होकर, जिनकी भविष्यवाणियाँ परिणाम से भिन्न थीं,विपक्ष के नेता ने मतदाता सूचियों की सत्यता को चुनौती दी है। जोरदार दावे किए गए हैं कि चुनाव आयोग विशेष गहन पुनरीक्षणका उपयोग कर अल्पसंख्यक मतदाताओं को इस आधार पर बाहर करने पर विचार कर रहा है कि वे भारतीय नहीं भी हो सकते हैं। यह विवाद पश्चिम बंगाल के राजनीतिक दलों के बीच खींचतान का विषय बन चुका है और यह असम तथा अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में भी फैल सकता है। चूंकि संविधान का अनुच्छेद 321 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम चुनाव आयोग को चुनाव के संचालन के संबंध में 'विशेष क्षेत्राधिकार 'देता है, इसलिए चुनावी प्रक्रिया को राजनीतिक हस्तक्षेप से दूर रखा गया है। दशकों से चुनाव आयोग ने चुनावों की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कई नवाचार पेश किए हैं। सबसे महत्वपूर्ण उपायों में आदर्श आचार संहिता शामिल है, जो अप्रिय राजनीतिक व्यवहार पर अंकुश लगाती है और ईवीएम ने वोटों में हेरफेर को और अधिक कठिन बना दिया है, हालांकि यह असंभव नहीं है। अब मतदान केंद्रों पर पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती के लिए नियम मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त, प्रौद्योगिकी के प्रसार के साथ, चुनाव आयोग मतदान केंद्रों में सीसीटीवी कैमरों पर जोर दे रहा है, ताकि मर्यादा बनी रहे तथा मतदान अधिकारियों और मतदाताओं को डराया-धमकाया न जा सके। निश्चित रूप से, यहसच है कि इन नवाचारों में से कोई भी पूरी तरह से दोषरहित नहीं है। मतगणना केंद्रों सहित स्थानीय स्तर परअक्सर बाहुबल का प्रभाव रहता हैऔर इसके संभावित रूप से विकृत परिणाम हो सकते हैं। मतदान अधिकारियों द्वारा हेरफेर के अनुभवजन्य प्रमाणों को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। जब संसदमें शीतकालीन सत्र के दौरान चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी, तो संभव है कि देश को आदर्श लोकतांत्रिक आचरण के अन्य विचलनों के बारे में सुनने को मिले, जिनका चुनाव आयोग द्वारा समाधान किये जाने की आवश्यकता है। लोकतांत्रिक परियोजना में एक महत्वपूर्ण हितधारक के रूप में, संसद को आम जनता के लिए अपने व्यापक चुनाव अनुभव को संकलित करने की आवश्यकता है। हालांकि, अच्छी राजनीति के बड़े लक्ष्य की प्राप्ति नहीं होगी यदि राजनीतिक कार्यपालिका चुनाव आयोग के खिलाफ आम धमकियों, जिसमें शारीरिक नुकसान भी शामिल है, का इशारा करती है और सरकारी अधिकारियों-जिनके शालीन आचरण पर पूरी प्रणाली निर्भर करती है-को अपने संवैधानिक कर्तव्यों का पालन करने से रोकती है। पश्चिम बंगाल में चल रहेएसआईआरके दौरान सत्तारूढ़ दल का आचरण शर्मनाक है।

खास बात

राहुल से इतना क्यों डर रही है सरकार

रूस के राष्ट्रपति पुतिन भारत पहुंचे। परंपरा के अनुसार विदेशी राष्ट्रध्यक्ष आते हैं। तब वह नेता प्रतिपक्ष से मिलते हैं। मोदी सरकार के पहले 10 साल के कार्यकाल में कोई नेता प्रतिपक्ष नहीं था। अब नेता प्रतिपक्ष हैं। लेकिन सरकार उन्हें किसी भी विदेशी राष्ट्रध्यक्ष से मिलाना नहीं चाहती है। राहुल गांधी जब विदेश जाते हैं, तब वहां के भारतीय दूतावास को बोल दिया जाता है। वह राहुल गांधी की मुलाकात किसी भी राजनेता से ना कराएं। इस बार राहुल गांधी सरकार के ऊपर बिफर गए हैं। इसके बाद भी सरकार के रुख में कोई परिवर्तन नहीं आया। रूस के राष्ट्रपति पुतिन भारत आए, और बिना राहुल गांधी से मिले रूस वापस भी चले गए। इसे कहते हैं राजनीति।

ओबामा-ट्रंप के बाद पुतिन की शाही अगवानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भव्य शाही अगवानी की है। उन्होंने पुतिन को निजी मित्र और भारत रूस के रिश्तो को लेकर बढ़-चढ़कर बताया। राजनीतिक हलकों में कहा जा रहा है। इसके पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रंप जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे तथा बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना का भव्य स्वागत एयरपोर्ट जाकर किया था। इस बार उन्होंने रूस के राष्ट्रपति पुतिन का हवाई अड्डे पर जाकर भव्य स्वागत किया है। प्रधानमंत्री मोदी जिसे अपना सबसे करीबी बताते हैं। कुछ समय के बाद वही प्रधानमंत्री मोदी की जडें काटने लगता है। पुतिन की इस अगवानी मे भारत के कई समझौते रूस के साथ हो गए हैं। यह कितने जमीन पर आएंगे। चीन और अमेरिका कौन-कौन से गुल खिलाएंगे।

चुनाव आयोग पर मेहरबान सुप्रीम कोर्ट

12 राज्यों में चुनाव आयोग एसआईआर कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट में कई राज्य सरकारें एसआईआर के विरोध में गई है। तीन दर्जन से ज्यादा बीएलओ की मौत हो चुकी हैं। सुप्रीम कोर्ट में तारीख पर तारीख और सुनवाई पर सुनवाई हो रही हैं। अभी तक किसी को राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। जो भी राहत मिल रही है, वह चुनाव आयोग को मिल रही है। सुप्रीम कोर्ट यह मानकर चल रहा है, चुनाव आयोग सबसे बड़ा संवैधानिक निकाय है। ज्ञानेश गुप्ता संवैधानिक पदाधिकारी हैं। वह कोई गलत काम कर ही नहीं सकते हैं। बीएलओ की मौत पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को ही जिम्मेदार बता दिया है। भले वह चुनाव आयोग के निर्देश पर चुनाव आयोग का काम करें। हैं तो राज्य सरकारों के कर्मचारी। ऐसे में चुनाव आयोग की कोई जिम्मेदारी कैसे हो सकती है। राज्य सरकारें, भारत के बड़े-बड़े नामी गिरामी वकील सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से हैरान और परेशान हैं।

झारखंड को लेकर कांग्रेस चिंतित?

झारखंड के मुख्यमंत्री दिल्ली आए, वह कांग्रेस के नेताओं से नहीं मिले। इसी बीच खबर उड़ी, वह एक भाजपा के बड़े नेता से मिले हैं। वह ससुर को देखने के बहाने दिल्ली आए थे। भाजपा नेता से मिलकर वापिस चले गए। ऐसे में कांग्रेस का चिंतित होना स्वाभाविक है। कांग्रेस संगठन के महासचिव कैसी वेणुगोपाल ने हेमंत सोरेन से फोन पर बात की। उसके बाद हेमंत सोरेन ने एक पोस्ट लिखा। झारखंड झुकेगा नहीं, भाजपा इस मुलाकात को लेकर चुप है, हेमंत सोरेन ने भी चुप्पी साध रखी है। माना जा रहा है, जल्द ही लोटस अभियान झारखंड में होने जा रहा है। कांग्रेस के 16 में से 12 विधायक जेएमएम में जा सकते हैं।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, पौष कृष्ण पक्ष, हेमंत रितु गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पूर्वे तिथी, पंचमी मंगलवासरे, पुण्य नक्षत्रे, ऐग योगे, कौलवकरणे, कर्क की चंद्रमा, मूल प्रारंभ प्रारंभ दिन 8/14 सर्वार्थ सिद्ध योग3/53 उग्र कर्म मुहूत तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फलः आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल तथा स्वाभिमानी, कुशल वक्ता, अधिवक्ता होगा, सोना चांदी, हीरा मोती का व्यापारी तथा दूध की डेरी वाला तथा दूध बेचने वाला, शासक प्रशासक तथा सचिव अधिकारी तथा राजनेता, राज्य अधिकारी, वक्ता होगा।

मेष राशि- साधन संपन्नता के योग फलप्रद हो, आर्थिक योजना अवश्य ही फलप्रद होगी।

वृष राशि- अपने किए पर पछताना पड़ेगा, मानसिक बेचैनी, क्लेश तथा अशांति होगी।

मिथुन राशि- सफलता के साधन जुटाए, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होगी, समस्याओं का समाधान होगा।

कर्क राशि- दैनिक कार्यों में सफलता मिले, स्त्री से सुख, इष्ट मित्र सुखवर्धक अवश्य होंगे।

सिंह राशि- स्त्री वर्ग से हर्ष उल्लास हो, भोग ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, कार्य रुचि बढ़ेगी।

कन्या राशि- धन प्राप्त, आशानुकूल में वृद्धि, बिगड़े कार्यों की योजना सफल हो जाएगी।

तुला राशि- बिगड़े कार्य अवश्य ही बन जाएगे, आशानुकूल सफलता से हर्ष होगा, ध्यान रखे।

वृश्चिक राशि- दैनिक समृद्धि के साधन बनेंगे, अधिकारियों के सहयोग से कार्य योजन का लाभ होगा।

धनु राशि- कार्य योजना पूर्ण हो, बड़े बड़े लोगों से मेल मिलाप होगा, कार्य अवरोध से बचें।

मकर राशि- कार्य कुशलता से संतोष, स्थिति में सुधार तथा चिन्ता अवश्य होगी।

कुंभ राशि- आर्थिक योजना पूर्ण होवे, शरीर कष्ट, मानसिक बेचैनी, रुके कार्य अवश्य बनेंगे।

मीन राशि- दैनिक कार्यों में बाधा, चिन्ता उद्विघ्नता बने, धन का व्यय अवश्य ही होगा।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

9 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.05 बजे से
चंद्र	कर्क में	मकर	09.10 बजे से
मंगल	धनु में	कुंभ	10.57 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	12.30 बजे से
गुरु	मिथुन में	मेष	14.00 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	15.40 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	17.38 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	19.52 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	22.08 बजे से
राहुकाल	3.00 से 4.30 बजे तक	कन्या	00.20 बजे से
		तुला	02.31 बजे से
		वृश्चिक	04.45 ब.से

मंगलवार 2025 वर्ष का 343 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण
तिथि पंचमी 14.30 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 02.23 बजे रात्र को समाप्त।
योग इन्द्र 14.33 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 14.30 बजे तदनन्तर गर 02.02 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 18.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 22° 49'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872553
जूलियन दिन 2461018.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी **तारीख** 17

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

छुहारा या खजूर, कौन है सेहत के लिए सबसे फायदेमंद? आयुर्वेदिक डॉक्टर ने खोल दिया राज!

सेहतमंद रहने के लिए अक्सर लोग अपनी डाइट में तरह-तरह के ड्राई फ्रूट्स शामिल करते हैं। हर ड्राई फ्रूट के अपने फायदे होते हैं और हर किसी की प्रकृति भी अलग होती है। इसलिए कोई भी ड्राई फ्रूट तभी पूरा फायदा करता है, जब इसे अपनी जरूरतों के अनुसार सही समय और मात्रा में खाया जाए। उदाहरण के लिए खजूर और छुहारा, दोनों ही बड़े पॉपुलर ड्राई फ्रूट हैं और अक्सर लोग इन्हें एक जैसा ही समझते हैं। जबकि आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉ रॉबिन शर्मा बताते हैं कि छुहारा और खजूर, दोनों की प्रकृति काफी अलग है। अगर सही मौसम में और अपनी जरूरत के मुताबिक आप इनमें से सही ड्राई फ्रूट नहीं खा रहे हैं, तो फायदे की जगह नुकसान भी हो सकता है। आइए विस्तार में जानते हैं।

अलग-अलग होती है दोनों की प्रकृति

डॉ रॉबिन कहते हैं कि खजूर और छुहारा, दोनों की प्रकृति यानी नेचर एकदम अलग-अलग होता है। खजूर ठंडी तासीर का होता है और वात,पित्त प्रकृति वाली के लिए लाभदायक होता है। इसलिए इसे गर्मियों में खाना फायदेमंद रहता है। वहीं छुहारे की तासीर गर्म होती है और ये वात, कफ प्रकृति वाले लोगों के लिए फायदेमंद होता है। इसी वजह से इसे सर्दियों में खाना ज्यादा सही माना जाता है।

किन लोगों को खाना चाहिए खजूर?

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक खजूर थकावट और कमजोरी को दूर करने में काफी फायदेमंद होता है। इसके अलावा ये पेशाब की रुकावट को भी कम करता है। खजूर में एंटीऑक्सीडेंट्स भी भरपूर मात्रा में होते हैं, जो इम्यूनिटी बूस्ट करने में मदद करते हैं। इसके अलावा ये हार्ट हेल्थ, ब्लड प्रेशर और नर्व फंक्शन को बेहतर करने में भी काफी मदद करता है। हालांकि इसमें नेचुरल शुगर काफी ज्यादा होती है, इसलिए डायबिटीज वालों को कम मात्रा में इसका सेवन करना चाहिए।

छुहारा खाने से क्या फायदे मिलेंगे?

रॉबिन बताते हैं कि छुहारा शारीरिक कमजोरी को दूर करता है और पौरुषत्व में वृद्धि करता है। पुरुषों के लिए दूध के साथ छुहारा लेना बहुत फायदेमंद होता है। इसे खाने से पेशाब कम आता है। साथ ही इसमें आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है और ये इंस्टेंट एनर्जी के लिए परफेक्ट है। ये पाचन और कब्ज में भी हल्की राहत देने का काम करता है।

सर्दियों में कुछ ही दिन मिलती है ये सब्जी, खाएं जरूर क्योंकि इसमें कई लाजवाब फायदे

सर्दियों की शुरुआत होते ही भरतपुर की सब्जी मंडियां रतालू की वजह से फिर से जीवंत हो उठी हैं। ठंड के मौसम में मिलने वाली यह मौसमी सब्जी स्वाद, पौष्टिकता और शरीर को गर्म रखने के गुणों के कारण लोगों की पहली पसंद बन गई है। साथ ही, इसकी खेती से किसानों को भी अच्छा मूल्य मिल रहा है।

रतालू: सर्दियों की खास सब्जी

रतालू सालभर नहीं मिलती और केवल ठंड के मौसम में खेतों से सीधे बाजार तक आती है। इसी वजह से इसका इंतजार हर घर में रहता है। ठंड के साथ ही इसकी सप्लाई बढ़ती है और लोग इसे बड़ी मात्रा में खरीदते हैं। यह शरीर को प्राकृतिक रूप से गर्म रखने और ऊर्जा देने का काम करती है।

स्वाद और पोषण में बेमिसाल

फाइबर: पाचन को दुरुस्त रखता है।

आयरन: कमजोरी और थकान को दूर करता है।

विटामिन बी6 और पोटैशियम: शरीर को फिट रखने में मदद करते हैं।

आयुर्वेद चिकित्सक डॉक्टर के अनुसार, रतालू बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर लोगों के लिए बेहद फायदेमंद है।

कहां होती है खेती और क्यों पसंद की जाती है?

भरतपुर और आस-पास के इलाकों जैसे रूपवास, कुम्हेर और बयाना में रतालू की खेती होती है। खेतों से सीधे मंडी पहुंचने के कारण यह ताजी और उच्च गुणवत्ता वाली सब्जी मानी जाती है। किसानों के अनुसार इसकी बढ़ी हुई मांग उन्हें अच्छा मूल्य देती है।

कैसे खाएं रतालू: रतालू का हल्का मीठा और मुलायम स्वाद इसे हर उम्र के लोगों के लिए पसंदीदा बनाता है। इसे आप उबालकर, भूनकर, या मसालेदार सब्जी के रूप में पका सकते हैं।

आगामी दिनों में बढ़ती मांग: सर्दियों में रतालू की मांग और बढ़ने की संभावना है। इसकी उपलब्धता न सिर्फ ठंड का स्वागत कराती है, बल्कि लोगों की स्वाद और सेहत दोनों में रंग भरती है।

किन लोगो को रतालू नहीं खाना चाहिए या सावधानी से खाएं

पाचन समस्या वाले लोग: अगर किसी को अत्यधिक गैस, अपच या एसिडिटी की समस्या है, तो रतालू का सेवन सीमित मात्रा में करें। क्योंकि इसमें फाइबर और स्टार्च की मात्रा अधिक होती है।

डायबिटीज मरीज: रतालू में कार्बोहाइड्रेट अधिक होता है। डायबिटीज के मरीज इसे सीमित मात्रा में ही खाएं और अपने ब्लड शुगर स्तर की निगरानी करें।

किडनी की समस्या वाले लोग: रतालू में पोटैशियम होता है। अगर किडनी की समस्या है और पोटैशियम की मात्रा सीमित करने की सलाह दी गई है, तो रतालू से बचें।

ज्यादा मोटापा या वजन बढ़ाने की समस्या वाले लोग: क्योंकि इसमें स्टार्च और कैलोरी होती है, अत: वजन नियंत्रित करने वाले लोग इसे संतुलित मात्रा में ही खाएं।

अत्यधिक ठंड लगने वाले लोग: आयुर्वेद के अनुसार, रतालू ठंडी प्रकृति की होती है। जिनको ठंड से ज्यादा परेशानी होती है, उन्हें इसे थोड़ी मात्रा में और गर्म मसालों के साथ खाना चाहिए।

जिम वालों के लिए कौन सा प्रोटीन सबसे बेस्ट! चिकन, अंडा या पनीर

जिम में घंटों पसीना बहाने के बावजूद अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि मसल्स ठीक से बन नहीं रहे। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि मसल्स ग्रोथ में वर्कआउट से ज्यादा अहम रोल डाइट का होता है, खासकर प्रोटीन का। प्रोटीन ही शरीर की मसल्स को रिपेयर करता है, उन्हें मजबूत बनाता है और तेजी से ग्रोथ देता है। लेकिन सवाल यह है कि इतनी सारी प्रोटीन वाली चीजों में से असल में बेस्ट क्या है अंडा, चिकन या पनीर? आइए समझते हैं किस फूड में कैसी प्रोटीन मिलती है और जिम लवर्स के लिए कौन सबसे बेहतर साबित होता है।

अंडा: कंप्लीट प्रोटीन का पावरहाउसअंडे को प्रोटीन का सबसे बेहतरीन और आसान स्रोत माना जाता है, क्योंकि इसमें सभी 9 जरूरी अमीनो एसिड मौजूद होते हैं, जो सीधे मसल्स की ग्रोथ और रिकवरी में मदद करते हैं। शरीर अंडे के प्रोटीन को बेहद तेजी से अवशोषित कर लेता है, जिससे वर्कआउट के बाद मांसपेशियों की हीलिंग जल्दी होती है। इसकी जर्दी में मौजूद हेल्दी फैट्स और विटामिन ब्र2 एनर्जी लेवल बढ़ाते हैं और शरीर को पूरे दिन एक्टिव रखते हैं। चाहे आप उबला अंडा खाएं, ऑमलेट बनाएं या स्क्रैम्बल हर रूप में अंडा मसल्स बनाने के लिए सुपर फायदेमंद है।

चिकन और लीन मीट

नॉन-वेज डाइट लेने वालों के लिए चिकन और लीन मीट मसल्स बिल्डिंग के सबसे मजबूत और भरोसेमंद प्रोटीन स्रोत माने जाते हैं। 100 ग्राम चिकन में लगभग 25-30 ग्राम हाई-क्वालिटी प्रोटीन मिलता है, जिसे शरीर बेहद आसानी से अवशोषित कर लेता है। इसमें मौजूद मिनरल्स और आवश्यक अमीनो एसिड मसल्स को तेजी से रिपेयर करते हैं और ग्रोथ को बूस्ट करते हैं। इसके साथ ही मछली और मटन जैसे अन्य मीट भी बेहतरीन विकल्प हैं। इनमें न सिर्फ क्वालिटी प्रोटीन मिलता है, बल्कि आयरन और ओमेगा-3 फैटी एसिड जैसे पोषक तत्व भी होते हैं, जो रिकवरी को तेज करते हैं और शरीर को ज्यादा स्ट्रॉन्ग बनाते हैं।

पनीर

वेजिटेरियन लोगों के लिए पनीर किसी सुपरफूड से कम नहीं। इसमें मौजूद केसिन प्रोटीन धीरे-धीरे पचता है, जिससे शरीर को लंबे समय तक लगातार प्रोटीन मिलता रहता है। खासतौर पर रात के भोजन में पनीर शामिल करना बेहद फायदेमंद माना जाता है, क्योंकि यह मसल ब्रेकडाउन को रोकने में मदद करता है। सब्जी, सलाद से लेकर पनीर टिक्का तक हर फॉर्म में यह शरीर को पोषण देता है। साथ ही, यह पेट भरने के साथ हेल्दी वेट गेन में भी सहयोगी साबित होता है।

क्या सप्लीमेंट्स की जरूरत पड़ती है?

सप्लीमेंट्स तभी लेने चाहिए जब आपकी नियमित डाइट आपकी प्रोटीन या न्यूट्रिशन की जरूरत पूरी न कर पाए। ऐसे में व्हे प्रोटीन या प्लांट-बेस्ड प्रोटीन अच्छे विकल्प हो सकते हैं। हालांकि, सप्लीमेंट चुनते समय यह जरूर देखें कि उसमें कम केमिकल्स हों और अमीनो एसिड प्रोफाइल उच्च गुणवत्ता वाला हो, ताकि शरीर को अधिकतम लाभ मिल सके।

जामें प्रोटीन का असर कैसे बढ़ाएं

दिन भर थोड़ा-थोड़ा प्रोटीन खाएं। एक बार में बहुत ज्यादा प्रोटीन लेने से शरीर उसे पूरी तरह उपयोग नहीं कर पाता, और इसका फायदा भी कम हो जाता है। इसलिए बेहतर यही है कि दिन भर में छोटे-छोटे हिस्सों में प्रोटीन शामिल करें। इससे मसल्स को लगातार अमीनो एसिड मिलता रहता है और रिकवरी भी तेज होती है।

सही कॉम्बिनेशन बनाएं

सही फूड कॉम्बिनेशन मसल्स को पूरा अमीनो एसिड प्रोफाइल देने में मदद करता है। जैसे दाल+चावल, पनीर+सलाद या अंडा+ओट्स जैसे कॉम्बो शरीर में प्रोटीन की क्वालिटी को बेहतर बनाते हैं। ये संयोजन न सिर्फ डाइजेशन आसान करते हैं बल्कि मसल रिकवरी और स्ट्रेंथ बढ़ाने में भी कारगर साबित होते हैं।

वर्कआउट के 30-60 मिनट के अंदर प्रोटीन लें

वर्कआउट के बाद शरीर की मसल्स सबसे ज्यादा थकी हुई होती हैं और उसी समय उन्हें प्रोटीन की सबसे ज्यादा जरूरत पड़ती है। इसलिए एक्सरसाइज खत्म होने के 30-60 मिनट के भीतर प्रोटीन लेना बेहद फायदेमंद माना जाता है। इस टाइम विंडो में लिया गया प्रोटीन तेजी से अवशोषित होता है, जिससे मसल रिकवरी दोगुनी तेजी से होती है, ह्राश्चद्धद्बह्यद्धद्ब कम होती है और मसल ग्रोथ भी बेहतर तरीके से शुरू हो जाती है। यही वजह है कि फिटनेस एक्सपर्ट इसे गोल्डन विंडो कहते हैं।

पानी ज्यादा पिएं

जब आप हाई-प्रोटीन डाइट लेते हैं, तो शरीर को प्रोटीन को पचाने और अवशोषित करने में अधिक पानी की जरूरत होती है। पर्याप्त पानी न मिलने पर पाचन धीमा हो सकता है, कब्ज या ब्लोटिंग जैसी दिक्कतें भी बढ़ सकती हैं। इसलिए हाई-प्रोटीन भोजन के साथ पूरे दिन नियमित रूप से पानी पीना बेहद जरूरी है। अच्छी हाइड्रेशन न सिर्फ पाचन को आसान बनाती है, बल्कि मसल रिकवरी, एनर्जी लेवल और किडनी फंक्शन को भी सपोर्ट करती है। दिनभर में थोड़ा-थोड़ा पानी पीने से शरीर में प्रोटीन का अवशोषण बेहतर होता है और डाइट का फायदा भी ज्यादा मिलता है।

तो जानें आखिर बेस्ट क्या है

नॉन-वेज खाने वालों के लिए: चिकन + अंडा सबसे तेज और असरदार मसल-बिल्डिंग प्रोटीन।

वेजिटेरियन के लिए: पनीर + दाल + दही/दूध मसल ग्रोथ का बेस्ट कॉम्बो।

जिन्हें फैट कम और प्रोटीन ज्यादा चाहिए: अंडा और चिकन सबसे उपयुक्त।

हर फूड में प्रोटीन है, लेकिन आपका लक्ष्य, आपकी बॉडी और आपकी डाइट तय करती है कि कौन सा प्रोटीन आपके लिए सबसे बेहतर है। सही प्रोटीन चुनेंगे, तभी सही मसल्स बनेंगे।

पानी गर्म रखने वाली बोतल से आ रही गंदी बदबू तो दूर करने का ये तरीका जान लें

सर्दियों का मौसम शुरू हो चुका है। ऐसे में पानी, चाय या किसी लिक्विड चीज को रखने के लिए थर्मोफलास्क वाली बोतल का इस्तेमाल ज्यादातर लोग करते है। जिससे की खाने-पीने का सामान देर तक गर्म बना रहे। लेकिन बोतल लगातार कई महीनों से बंद पड़ी होने की वजह से उसमे से बदबू कर रही है। और कई बार साफ करने के बाद भी ये बदबू पूरी तरह नहीं जा रही। तो इन ट्रिक्स को ट्राई करें। जिनकी मदद से बोतल से आ रही सारी बदबू साफ हो जाएगी और दोबारा से यूज करने लायक बन जाएगी।

चावल और नमक से करें सफाई

पानी गर्म रखने वाली बोतल यानी थर्मोफ्लास्क की बोतल से बदबू आ रही है और वो साबुन से धुलाई के बाद भी नहीं जा रही। तो बस ये आसान सी ट्रिक ट्राई कर लो। जिसकी मदद से ये बदबू एक बार में ही गायब हो जाएगी। बस इसके लिए बोतल में करीब एक चम्मच चावल के दाने डाल दें। साथ ही

एक चम्मच सेंधा नमक भी डाल दें। अब इसमे एक कप के करीब पानी डालें। और, जोर से हिलाएं। इसे करीब पांच मिनट हिलाकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें। फिर पानी से अच्छी तरह से साफ कर दें। ऐसा करने से बोतल की तली में लगी सफेदी और गंदगी भी अच्छी तरह से साफ हो जाएगी।

नींबू और नमक

अगर बोतल की गंदी बदबू जा ही नहीं रही है तो ये नुस्खा आजमाएं। बोतल में गर्म पानी करीब आधा कप डाल दें। साथ ही उसमे नींबू का रस निचोड़ दें और साथ ही एक चम्मच सेंधा नमक डाल दें। सारी चीजों को शेक करें और अच्छी तरह से हिलाएं। फिर करीब आधे घंटे के लिए बोतल में नींबू का पानी और नमक छोड़ दें। फिर आधे घंटे बाद सफाई करेंगे तो बोतल की सारी गंदगी साफ हो जाएगी और साथ ही बदबू भी खत्म हो जाएगी। नींबू की वजह से फ्रेशनेस आने लगेगी।

चाय की पत्ती से बदबू होगी दूर

थर्मोफलास्क की बोतल में बदबू आने का कारण अक्सर चाय ही होती है। दूध वाली चाय को जब बोतल में रखा जाता है तो उसकी बदबू भर जाती है। लेकिन चाय की मदद से ही इसकी बदबू को दूर किया जा सकता है। बस गर्म पानी से बोतल भर दें। फिर इसमे थोड़ी सी चाय की पती या फिर टी बैग डाल दें। करीब दो से तीन घंटे के बोतल से सारी बदबू दूर हो जाएगी। बस चाय हटाकर बोतल को अच्छी तरह से धो दें। सारी बदबू दूर हो जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

पॉवेल की आक्रामक बल्लेबाजी से दुबई कैपिटल्स ने अबूधाबी नाइटराइडर्स को हराया

दुबई। वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज रोवमैन पॉवेल के तेजी से बनाये अर्धशतक से दुबई कैपिटल्स ने आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में अबूधाबी नाइटराइडर्स को 83 रन से हरा दिया। इस मैच में पॉवेल ने 52 गेंदों पर आठ चौके और चार छक्के लगाकर नाबाद 96 रन बनाए। पॉवेल की पारी से दुबई कैपिटल्स ने नाइराइडर्स को जीत के लिए 186 रनों का लक्ष्य दिया। जिसका पीछा करते हुए नाइराइडर्स की टीम 15.3 ओवर में 103 रनों पर ही आउट हो गयी। दुबई कैपिटल्स की जीत में पॉवेल की अहम भूमिका नहीं। पॉवेल ने जॉर्डन कॉक्स के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी बनाकर अपनी टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। कॉक्स ने 32 गेंदों पर 52 रन बनाये।

विश्व टेनिस लीग का पहला सत्र 17 दिसंबर से खेला जाएगा

बेंगलुरु। भारत में इसी माह 17 से 20 दिसंबर तक बेंगलुरु के एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूएलटी) का पहला सत्र खेला जाएगा। डब्ल्यूएलटी लीग के इस पहले सत्र के लिए मैच कार्यक्रम और टिकट की ब्रिक्री की भी घोषणा कर दी गयी है। इस लीग में सभी टीमें का एक-दूसरे से दो बार मुकाबला होगा। लीग स्तर के अंत में शीर्ष दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। इससे प्रशंसकों को हर मैच में उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा देखने का अवसर मिलेगा। ये लीग चार-सेट प्रारुप में होगी। इसमें पुरुष एकल, महिला एकल और दो युगल सेट शामिल होंगे।

2027 एकदिवसीय विश्व कप के लिए विराट का टीम में होना जरुरी : कैफ

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए विराट कोहली की जमकर की है। कैफ ने कहा कि अगर भारत को 2027 एकदिवसीय विश्व कप जीतना है, तो विराट की जरुरत रहेगी। कैफ ने कहा कि कोहली ने जिस प्रकार से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में लगातार दो शतक जमाए और तीसरे मैच में भी अर्धशतक लगाकर भारतीय टीम की जीत की नींव रखी उससे साफ है कि वह जबरदस्त लय में हैं। इसलिए उन्हें विश्वकप के लिए टीम में शामिल किया जाना चाहिये।

खत्म हो गए? रोहित-कोहली ने बताया

उनमें अभी काफी क्रिकेट बाकी है और टीम इंडिया अब भी रो-को की है!

नई दिल्ली ■ एजेंसी

रोहित और कोहली ने फिर दिखाया है कि फॉर्म समय के साथ बदलती है, पर क्लास हमेशा अमर रहती है। ये दोनों सिर्फ खिलाड़ी नहीं, भारतीय क्रिकेट की धरोहर हैं।

कुछ महीने पहले तक सोशल मीडिया और क्रिकेट जगत में चर्चा थी कि क्या टेस्ट और टी20 से संन्यास ले चुके रोहित शर्मा और विराट कोहली अभी भी भारत की वनडे टीम में फिट बैठते हैं? न तो ये दोनों घरेलू टूर्नामेंट्स खेलते हैं और न ही 2027 वनडे विश्व कप को लेकर कमिटमेंट दे पा रहे हैं। ऐसे में बीसीसीआई और चयनकर्ताओं ने रोहित और कोहली के भविष्य पर बात करने के लिए मीटिंग तक बुला ली। बात हुई कि क्या नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को

मौका देने के लिए इन दोनों लेजेंड्स को किनारे किया जाना चाहिए? लेकिन पिछले दो सीरीज ने ये साफ कर दिया है कि क्लास कभी आउटडेटेड नहीं होती और अनुभव पर शक करना विश्व क्रिकेट की सबसे बड़ी गलती होती है।

ऑस्ट्रेलिया की जमीन पर रोहित शर्मा का जलवा: ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर रनों की बारिश करना हमेशा चुनौती माना जाता है। उछाल, गति और विदेशी परिस्थितियां बल्लेबाजों की असली परीक्षा लेती हैं, लेकिन रोहित शर्मा ने अपनी शांत बल्लेबाजी और शानदार टाइमिंग से सब कुछ आसान बना दिया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों में रोहित शर्मा ने 202 रन बनाए और औसत 101 का रहा। नतीजा? उन्हें सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उनकी बल्लेबाजी में वही पुराना आत्मविश्वास और लय दिखी जिसने उन्हें पहले भी एक बड़ा मैच विजेता बनाया है।

इस दौरे पर रोहित ने पहले वनडे में आठ रन बनाए, लेकिन इसके बाद उनका बल्ला बोला। उन्होंने एडिलेड में दूसरे वनडे में 97 गेंद में 73 रन की पारी खेली। इस पारी में सात चौके और दो छक्के शामिल थे। इसके बाद सिडनी में तीसरे वनडे में रोहित ने 125 गेंद में 13 चौके और तीन छक्के की मदद से 121 रन की नाबाद पारी खेली। उनका फॉर्म दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में भी जारी रहा। भले ही वह इस सीरीज में कोई शतक नहीं लगा सके, लेकिन तीन मैचों में 48.67 की औसत के साथ 146 रन बनाकर वह सीरीज में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे।

दक्षिण अफ्रीका में कोहली की बादशाहत: भारत लौटते ही मंच बदला, गेंदबाज बदले, लेकिन विराट कोहली का अंदाज वही रहा। शांत, सचेत और फिर अचानक विस्फोटक। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन पारियों में कोहली ने 302 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 151 का रहा। इन पारियों के साथ आई एक उपलब्धि। कोहली ने सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता। यह सिर्फ रन नहीं थे, यह एक याद दिलाना था कि कोहली सिर्फ खिलाड़ी नहीं, क्रिकेट के असली किंग हैं।

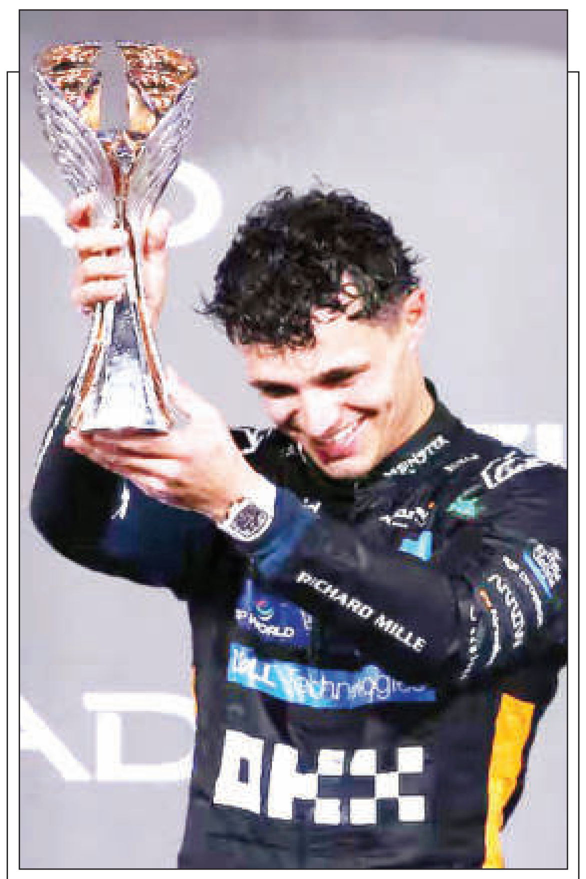

आबू धाबी में मैकलरेन के चालक नैंडो नोरिस जीत के बाद ट्रॉफी के साथ पोंडियम में उत्साहित होते हुए।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत के साथ शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

कटक ■ एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम यहां मंगलवार को पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत करने के इरादे से उतरेगी । इससे पहले हुई एकदिवसीय सीरीज में जीत से भारतीय टीम के हौंसले बुलंद हैं। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव, वहीं दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी एडन मार्कराम के पास रहेगी। इसी मैच को जीतकर सीरीज में दोनो ही टीम बढ़त लेने के इरादे से उतरेंगी। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि शुभमन गिल फिट हो गये हैं और वह इस मैच में खेलेंगे। उनके अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी इस सीरीज से वापसी करेंगे। ये सीरीज अगले साल होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप को देखते हुए काफी अहम मानी जा रही है। इससे दोनों टीमें अपनी अपनी तैयारियों का आंकलन करेंगी। भारतीय टीम की बल्लेबाजी आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के अलावा

, तिलक वर्मा, कप्तान सूर्यकुमार व शुभमन गिल पर अधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह संभालेंगे। स्पिनर के तौर पर वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव रहेंगे। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी मार्कराम के अलावा डेविड मिलर, क्विंटन डी कॉक पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की कमान केशव महाराज, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी व, एनरिक नोर्खिया संभालेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारतीय टीम: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेट कीपर), संजू सैमसन (विकेट कीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वाशिंगटन सुंदर।

ऐश्वर्य और अनीष को रजत, मनु भाकर चूकीं

विश्व कप फाइनल में सिमरनप्रीत ने स्वर्ण पदक जीता

दोहा ■ एजेंसी

महिला निशानेबाज सुरुचि सिंह ने दोहा में जारी आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में स्वर्णिम प्रदर्शन किया। हालांकि, स्टार निशानेबाज मनु भाकर फाइनल में पांचवें स्थान पर रहीं और पदक नहीं जीत सकीं।

युवा सिमरनप्रीत कौर बरार ने रविवार को यहां मुश्किल मुकाबले में जीत हासिल करके महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता जबकि भारत के 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन चैंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में अपने पदार्पण में रजत पदक अपने नाम किया।

विश्व चैंपियनशिप की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल स्पर्धा के रजत पदक विजेता अनीश भानवाला ने भी साल का अंत शानदार तरीके से किया और दूसरा स्थान हासिल किया। जिससे भारत के पदकों की संख्या छह हो गई जिसमें दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक शामिल हैं। दूसरे दिन भी शानदार प्रदर्शन के साथ भारत ने पदक तालिका में चीन के बाद दूसरा स्थान बनाए रखा। चीन के पास तीन स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक हैं।

इस साल की शुरुआत में लीमा में विश्व कप में रजत पदक जीतने वाली सिमरनप्रीत के पिता ने अपनी बेटी के लिए सरकारी नौकरी छोड़ दी थी। इस निशानेबाज ने फाइनल में 41 का शानदार स्कोर बनाकर अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की और अपने माता-पिता को फक्र महसूस कराया। उन्होंने साथ ही विश्व जूनियर रिकॉर्ड की बराबरी भी की।

आठ निशानेबाजों के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली दूसरी भारतीय ईशा सिंह सातवें स्थान पर रहीं। ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर क्वालिफिकेशन दौर में 581 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहने के बाद फाइनल में जगह नहीं बना पाईं।

क्वालिफिकेशन दौर में 21 साल की सिमरनप्रीत ने 585 के स्कोर से पांचवें स्थान से जबकि ईशा ने 585 के स्कोर से चौथे स्थान से फाइनल में जगह बनाई।

व्यापार समाचार

पीयूष गोयल-सबाइन वेयेंड की मुलाकात पर नजर

एफटीए को रफ्तार देने के लिए भारत-ईयू के बीच वार्ता आज

नई दिल्ली ■ एजेंसी

यूरोपीय संघ की प्रतिनिधि टीम भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते पर तेजी से आगे बढ़ रही वार्ताओं को अंतिम रूप देने के लिए आज केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात करेगी। समझौते से जुड़े अधिकांश मुद्दों पर प्रगति हो चुकी है और वार्ता अब अंतिम चरण में पहुंच गई है।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर वार्ता अब तेज मोड़ पर पहुंच गई है। इसी क्रम में यूरोपीय संघ का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात करेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बैठक का मकसद साल के अंत तक समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में प्रगति की समीक्षा करना है।

ईयू टीम का नेतृत्व सबाइन वेयेंड, डायरेक्टर जनरल, ट्रेड विभाग कर रही हैं। उनका मुख्य उद्देश्य वस्तुओं और सेवाओं से जुड़े उन मुद्दों को सुलझाना है, जिन पर अभी भी दोनों पक्षों में मतभेद बने हुए हैं।

इन मुद्दों पर अटका है एफटीए: अधिकारी के मुताबिक, भारत-ईयू एफटीए वार्ता में अभी भी कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति बनना बाकी है। इनमें स्टील सेक्टर, कार्बन टैक्स, ऑटोमोबाइल, और नॉन-टैरिफ बैरियर्स जैसे क्षेत्र शामिल हैं। ईयू की ओर से विशेष रूप से ऑटोमोबाइल, मेडिकल डिवाइस, वाइन, स्पिरिट, मांस और पोल्ट्री जैसे उत्पादों पर बड़ी ड्यूटी कटौती की मांग की जा रही है। इसके साथ ही, यूरोपीय संघ एक मजबूत बौद्धिक संपदा अधिकार ढांचा स्थापित करने पर भी जोर दे रहा है, जो उनकी प्राथमिकताओं की सूची में प्रमुख है।

भारत-ई व्यापार संबंध: भारत और यूरोपीय संघ के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 2024-25 में 136.53 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

भारत का ईयू को निर्यात: 75.85 अरब डॉलर: भारत का आयात: 60.68 अरब डॉलर ईयू बाजार भारत के कुल निर्यात का 17% हिस्सा है, जबकि ईयू की भारत को निर्यात हिस्सेदारी 9% है।

एफटीए से भारत को क्या फायदा?: विशेषज्ञों का कहना है कि समझौता लागू होने के बाद भारत के कई प्रमुख क्षेत्रों को सीधा लाभ मिल सकता है। रेडीमेड गारमेंट, फार्मास्यूटिकल्स, स्टील, पेट्रोलियम उत्पाद और इलेक्ट्रिकल मशीनरी जैसे सेक्टर यूरोपीय बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धा को और मजबूत कर पाएंगे। इन उत्पादों की पहुंच बढ़ने के साथ भारत का निर्यात भी गति पकड़ सकता है।

2013 में रुकी थीं वार्ताएं: भारत और 27 देशों वाले श्व ब्लॉक ने जून 2022 में एफटीए वार्ता दोबारा शुरू की थी। इससे पहले 2013 में मार्केट एक्सेस को लेकर मतभेदों के चलते बातचीत रुक गई थी। इस बार वार्ता 23 नीति क्षेत्रों को कवर कर रही है, जिनमें व्यापार, सेवाएं, निवेश, कस्टम और व्यापार सुगमता, सरकारी खरीद, विवाद समाधान, ढ्ढक्क और भौगोलिक संकेतक (ढ्ढ) शामिल हैं। दोनों पक्ष साल के अंत तक बातचीत समाप्त करने के लिए उत्सुक हैं।

अमेरिकी निर्यात में आई 29 फीसदी की गिरावट

चीन का निर्यात नवंबर में 5.9% बढ़ा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

नवंबर में चीन के कुल निर्यात में 5.9% की वृद्धि दर्ज की गई, जो 330.3 अरब डॉलर रहा और पिछले महीने की गिरावट से बेहतर रहा। हालांकि अमेरिका को निर्यात में लगभग 29% की तीखी गिरावट बनी हुई है, जो लगातार आठवें महीने दोहरे अंकों में कमी दर्शाती है। चीन के निर्यात में नवंबर में वृद्धि दर्ज हुई है। वहीं पिछले महीने इसमें अप्रत्याशित गिरावट देखने को मिली थी। हालांकि अमेरिका को निर्यात में एक साल पहले की तुलना में लगभग 29 प्रतिशत की गिरावट आई। यह लगातार आठवें महीने दोहरे अंकों में गिरावट का संकेत है।

चीन का कुल निर्यात नवंबर में बढ़कर 330.3 अरब डॉलर दर्ज किया गया: सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में चीन से कुल निर्यात डॉलर के लिहाज से पिछले साल की तुलना में 5.9% अधिक रहा। यह 330.3 अरब डॉलर दर्ज किया गया, जो अर्थशास्त्रियों के अनुमान से बेहतर है। यह अक्तूबर में हुई 1.1% की गिरावट से बेहतर है। वहीं चीन से अमेरिका को निर्यात में वर्ष के अधिकांश समय गिरावट आई है, दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका सहित अन्य गंतव्यों को निर्यात में वृद्धि हुई है। नवंबर में चीन के आयात में 1.9% की वृद्धि हुई, जो अक्तूबर की 1% वृद्धि से बेहतर है। हालांकि संपत्ति क्षेत्र में लगातार मंदी अभी भी उपभोक्ता खर्च और व्यावसायिक निवेश पर दबाव डाल रही है।

ट्रंप और शी की मुलाकात में एक साल के लिए व्यापार युद्धविराम पर सहमति बनी: अक्तूबर के अंत में दक्षिण कोरिया में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी नेता शी जिनपिंग के बीच हुई बैठक में चीन और अमेरिका के बीच एक साल के लिए व्यापार युद्धविराम पर सहमति बनी। अमेरिका ने चीन पर अपने शुल्क कम कर दिए हैं, और चीन ने दुर्लभ मृदा खनिजों से संबंधित अपने निर्यात नियंत्रणों को समाप्त करने का वादा किया है।

क्या है विशेषज्ञों की राय?: आईएनजी बैंक की अर्थशास्त्री लिन सॉन्ग और दीपाली भार्गव ने एक रिपोर्ट में चीन के निर्यात को लेकर सकारात्मक संकेतों के बीच वैश्विक व्यापार गतिविधि में सुस्ती का खतरा बरकरार है। आईएनजी बैंक के अर्थशास्त्रियों लिन सॉन्ग और दीपाली भार्गव ने एक रिपोर्ट में कहा कि अमेरिका और चीन के बीच व्यापार समझौता और अमेरिकी टैरिफ में कटौती से चीन को फायदा होना चाहिए, लेकिन पिछले साल निर्यात में तेज बढ़त होने की वजह से इस साल की वृद्धि कम दिख सकती है।

आईसीसी के साथ डील तोड़ेगी जियोस्टार

नई दिल्ली। रिलायंस के कंट्रोल वाली जियोस्टार ने आईसीसी के साथ 2024-27 के इंडिया मीडिया राइट्स डील से बाहर निकलने का फैसला किया है। जियोस्टार ने आईसीसी से कहा है कि भारी फाइनेंशियल नुकसान की वजह से वो चार साल की डील के बाकी दो साल पूरे नहीं कर पाएगी। 2026 में भारत-श्रीलंका में होने वाले मेन्स टी20 वर्ल्ड कप से पहले लिए गए इस फैसले के बाद आईसीसी ने सोनी, नेटफ्लिक्स और अमेजन प्राइम वीडियो से संपर्क किया है। लेकिन अभी तक किसी भी प्लेटफॉर्म ने कीमत ज्यादा होने की वजह से राइट्स में दिलचस्पी नहीं दिखाई। ये डील 2024-27 के लिए 3 अरब (करीब 25,000 करोड़ रुपए) की थी, जिसमें हर साल एक बड़ा मेन्स इवेंट शामिल है। ये जानकारी इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में सामने आई है।

पुराने नामों से नई पहचान: ऑटो कंपनियों की रणनीति रंग ला रही

नई दिल्ली। भारतीय ऑटोमोबाइल कंपनियां पुराने और प्रसिद्ध ब्रांड नामों का इस्तेमाल करके ग्राहकों का ध्यान खींच रही हैं। नए मॉडल्स की भीड़ में यह रणनीति कंपनियों को अलग पहचान बनाने और पुराने ग्राहकों की भावनाओं से जुड़ने में मदद करती है। आईसीआरए के एक व ?रिष्ठ अ ?धिकारी के अनुसार, पुराने ब्रांड्स में पहले से भरोसा और पहचान मौजूद होती है, इसलिए नए मॉडल जल्दी अपनाए जाते हैं और मार्केटिंग खर्च भी कम होता है। टाटा मोटर्स ने लगभग तीन दशक बाद सिएरा को वापस लाया और 2021 में सफारी को रिवाइवल किया। मारुति सुजुकी ने 2015 में बालेनो को प्रीमियम हैचबैक के रूप में लॉन्च किया।

वीआई ने एजीआर बकाया में छूट और पुनर्गणना का प्रस्ताव दिया

नई दिल्ली। पिछले कई वर्षों से वित्तीय संकट झेल रही निजी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने दूरसंचार विभाग को प्रस्ताव सौंपा है। कंपनी ने एजीआर (एडजस्टड ग्रास रेवेन्यू) बकाया की पुनर्गणना करने और जुर्माने तथा ब्याज पर एकमुश्त छूट देने का अनुरोध किया है। प्रस्ताव में बकाया राशि की गणना में मौजूद अंकगणितीय त्रुटियों और दोहराव को हटाकर इसे समायोजित करने का प्रस्ताव है। सूत्रों के अनुसार इससे बकाया राशि करीब आधी हो सकती है, जिससे कंपनी अपने वित्त से ब्याज का भुगतान करने में सक्षम होगी। वित्त वर्ष 2017 तक वीआई की एजीआर देनदारी 58,254 करोड़ रुपये थी।

निवेशक सक्रिय फंड छोड़ पैसिव फंड की ओर, एक साल में फोलियो तीन गुना बढ़कर 4.81 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ■ एजेंसी

जब शेयर बाजार तेजी से करवट लेता है, तो अनुभवी फंड मैनेजर भी बाजार को मात देने में पसीना छोड़ देते हैं, दिन भर में उलट-पलट होते बाजार में म्यूचुअल फंड निवेशक एक बड़ा बदलाव ला रहे हैं।

पैसिव फंड में इंडेक्स फंड, ईटीएफ (गोल्ड, सिल्वर व अन्य) और विदेशी एक्सचेंज जैसे हैंगसेंग, न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में निवेश के लिए फंड ऑफ फंड्स (ओवरसीज) शामिल हैं। कम खर्च, आसान निवेश और स्थिर लॉन्ग-टर्म रिटर्न की वजह से ये फंड तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। म्यूचुअल फंड में निवेशक के नियम बदल रहे हैं। पुराना नियम था, तेज उतार-चढ़ाव में जानकार या फंड मैनेजर का हाथ थामो, यानी एक्टिव फंड पर दांव लगाओ, जिसे कोई विशेषज्ञ संभालता है। मगर अब पिछले एक साल के आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि निवेशक सक्रिय (एक्टिव) फंड्स के बजाय तेजी से निष्क्रिय (पैसिव) फंड्स पर भरोसा कर रहे हैं।

AMFI के मुताबिक, पैसिव फंड फोलियो अक्तूबर, 2025 तक 3 गुना से ज्यादा बढ़कर 4.81 करोड़ हो गए। अक्तूबर, 2024 में यह 1.30 करोड़ था। इसके मुकाबले एक्टिव फंड (ओपन एंडेड 10 व इक्विटी 16.5 फीसदी) में फोलियो की वृद्धि दर आधी है।

क्यों बढ़ रहे हैं पैसिव फंड के कद्रदान?: भारतीय निवेशकों ने अपने तजुर्बे से सीख लिया है कि बाजार में अनिश्चितता होती है, तो ज्यादा फीस देकर किसी फंड मैनेजर के पूर्वाग्रह या गलत फैसलों पर निर्भर रहने से बेहतर है कि कम लागत वाले पैसिव फंड को अपनाया जाए। निवेशकों की बदलती पसंद के कारण पिछले एक साल में एक्टिव फंड की तुलना में पैसिव फंड में सबसे ज्यादा नई स्कीमें लॉन्च हुई हैं...

पैरामीटर	अक्तू.25	अक्तू.24	वृद्धि
ओपन एंडेड स्कीम	329	315	14%
ग्रोथ/इक्विटी स्कीम	539	471	68%
पैसिव फंड स्कीम	546	687	141%

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में सहकारी सम्मेलन का आयोजन किया

भोपाल ■ निसं

मध्य प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में 08 दिसंबर 2025 को एक सहकारी सम्मेलन का आयोजन किया। मध्य प्रदेश सरकार के माननीय सहकारिता मंत्री, श्री विश्वास कैलाश सारंग ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को 'सहकारिता एक बेहतर दुनिया का निर्माण करती है' थीम के साथ दूसरे अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में घोषित किया है। इस वैश्विक पहल का उद्देश्य इस बारे में जागरूकता बढ़ाना है कि सहकारी समितियां किस प्रकार मानवीय आवश्यकताओं और सामूहिक

लाभों पर केंद्रित एक व्यवसाय मॉडल प्रदान करती हैं।

इस कार्यक्रम में सहकारिता विभाग, मध्य प्रदेश राज्य सहकारी बैंक (एपेक्स बैंक), जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों, और मध्य प्रदेश भर की प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया. NABARD की चीफ जनरल मैनेजर, सी. सरस्वती ने बताया कि यह कॉन्क्लेव ग्रामीण सशक्तिकरण, आर्थिक विकास, न्यूट्रिशन सिक्योरिटी और आत्मनिर्भरता के लिए कोऑपरेटिव को एक सस्टेनेबल टूल के तौर पर मजबूत करने पर गहरी चर्चा को बढ़ावा देने की कोशिश करता है - जो माननीय प्रधानमंत्री के बताए गए विकसित भारत ञ्च2047 के विजन को पाने के लिए मुख्य पिलर हैं।

माननीय कोऑपरेशन मिनिस्टर ने इवेंट के दौरान सबसे अच्छा परफॉर्म करने वाले को सम्मानित किया। अपने भाषण में, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह कॉन्क्लेव सिर्फ एक सभा नहीं है, बल्कि कोऑपरेटिव मॉडल में सामूहिक विश्वास की पुष्टि है - एक ऐसा मॉडल जो आम नागरिक को सशक्त बनाता है, सबसे कमजोर को मजबूत बनाता है। और साझा समृद्धि के लिए समुदायों को एकजुट करता है। उन्होंने कोऑपरेटिव को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए राज्य द्वारा की गई विभिन्न पहलों के बारे में विस्तार से बताया।

संक्षिप्त समाचार

बंकिमचंद्र के परिवार ने की पीएम की सराहना, बंगाल सरकार पर लगाया उपेक्षा का आरोप

कोलकाता। 'वंदे मातरम्' के रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के परिवार ने सोमवार को संसद में इस प्रतिष्ठित गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई पहल की सराहना की है। परिवार का कहना है कि यह सम्मान लंबे समय से अपेक्षित था और इससे बंकिमचंद्र की ऐतिहासिक भूमिका को उचित स्थान मिला है। 'वंदे मातरम्' नवंबर 1875 में लिखा गया था और स्वतंत्रता संग्राम के दौरान यह गीत देशभक्तों का प्रेरणास्रोत बना। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के पौत्र सजल चट्टोपाध्याय ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने इस महान साहित्यकार की उपेक्षा की है। उन्होंने कहा कि जो कुछ हो रहा है वह बंगाल और हिन्दू समाज के लिए बेहद शर्मनाक है। मैं केंद्र सरकार को सलाम करता हूं। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय देश के पहले स्नातक थे, लेकिन उनके नाम पर कुछ भी नहीं है, सिर्फ उनकी संपत्ति ही उनकी पहचान बनी हुई है। मेरा मानना है कि जैसे रवीन्द्रनाथ टैगोर के नाम पर विश्वविद्यालय हैं, वैसे ही हर राज्य में एक विश्वविद्यालय बंकिमचंद्र के नाम पर होना चाहिए। संसद में प्रधानमंत्री मोदी ने उनके बारे में जो कहा, वह अत्यंत सम्मानजनक है।'

राधाकृष्णन ने की रास सदस्यों से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में अंशदान की अपील

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में अपना एक माह का वेतन दान किया है। उन्होंने राज्यसभा के सभी सदस्यों से भी इस निधि में योगदान देने का अनुरोध किया है। राधाकृष्णन ने सोमवार को सदन की बैठक की शुरुआत करते हुए कहा कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस हर साल 7 दिसंबर को युद्ध में शहीद हुए सैनिकों और उन वर्दीधारी सैनिकों के सम्मान में मनाया जाता है, जिन्होंने न केवल हमारे देश की सीमाओं की रक्षा की, बल्कि आतंकवाद और उग्रवाद से भी बहादुरी से लड़ाई लड़ी। इस दिन सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि के लिए दान एकत्र किया जाता है, जिसका उपयोग युद्ध विधवाओं, युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के आश्रितों और विकलांगों सहित पूर्व सैनिकों के कल्याण और पुनर्वास के लिए किया जाता है। उन्होंने सभी सदस्यों से अनुरोध है कि वे सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि में उदारतापूर्वक योगदान दें। उन्होंने कहा कि सदस्य अपने मित्रों और रिश्तेदारों से भी इस निधि में योगदान देने का अनुरोध कर सकते हैं।

पुतिन को प्लेन, हेलीकॉप्टर से ज्यादा ट्रेन पर भरोसा

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन दुनिया के सबसे सुरक्षित और सबसे छिपे हुए नेता माने जाते हैं। प्लेन, हेलीकॉप्टर इन सबसे बचते हुए पुतिन जिस चीज पर भरोसा करते हैं, वह है उनकी मशहूर 'घोस्ट ट्रेन'। यह 22 डिब्बों वाली बख्तरबंद ट्रेन ऐसी है जो दिखे भी तो रहस्य जैसी और चले तो किसी को भनक तक ना लगे। 2023 में आए लीक दस्तावेजों ने पहली बार इसकी अंदरूनी दुनिया की खोल दी थी जिसमें लक्जरी भी है, सुरक्षा भी और पुतिन की निजी पसंद और डर भी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह ट्रेन रूस की विशाल रेलवे लाइनों पर ऐसे चलती है जैसे कोई अदृश्य साया। यह न किसी ऐप में दिखती है, न किसी टाइमटेबल में दर्ज होती है। इसकी रफ्तार भी ऐसी कि कोई उसकी लोकेशन का अंदाजा न लगा सके। पुतिन का हवाई सफर से डर अब कोई नई बात नहीं है। सैटेलाइट निगरानी और मिसाइल हमलों के दौर में उन्हें आसमान सबसे ज्यादा असुरक्षित लगता है। रूस की सुरक्षा एजेंसी से दलबदल कर चुके ग्लेब कराकुलोव ने 2022 में कहा था कि प्लेन जैसे ही उड़ता है, वह तुरंत रडार में आ जाता है। ट्रेन मूवमेंट छुपाती है। इस ट्रेन का नाम घोस्ट ट्रेन रूसी ट्रेनस्पॉटर्स ने दिया था।

पाकिस्तान और लोकतंत्र साथ-साथ नहीं चलते: भारत

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के कारावास एवं उसे लेकर जारी राजनीतिक आंदोलन पर कटाक्ष करते हुए आज कहा कि यह शुरू से ही जगजाहिर है कि पाकिस्तान और लोकतंत्र साथ-साथ नहीं चलते। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल सोमवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में पाकिस्तान में जारी घटनाक्रम को लेकर पूछे गये सवालों पर टिप्पणी करते हुए सोमवार को कहा कि वहां लोकतंत्र पर जितनी बात की जाए उतनी कम है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जेल में रखने और वहां स्थिति से जुड़े सवाल पर जायसवाल ने कहा कि भारत पड़ोसी देश के हर घटनाक्रम पर बारीक नजर रखता है। उन्होंने आगे कहा कि जहां तक पाकिस्तान में लोकतंत्र के कमजोर होने का सवाल है, उसपर जितना कहा जाए उतना कम है। पाकिस्तान और लोकतंत्र साथ-साथ नहीं चलते। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में प्रवक्ता ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा को लेकर हो रही झड़पों पर प्रतिक्रिया दी है।

20वें सत्र की शुरुआत नई दिल्ली के लाल किले में विभिन्न सत्रों के साथ

पीएम मोदी ने यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत समिति के 20वें सत्र की शुरुआत पर जताई खुशी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए अंतर-सरकारी समिति के 20वें सत्र की शुरुआत नई दिल्ली के लाल किले में विभिन्न सत्रों के साथ हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत समिति के 20वें सत्र की शुरुआत पर अत्यंत हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह मंच विश्व भर की जीवित परंपराओं को संरक्षित करने और लोकप्रिय बनाने के एक साझा विज़न के साथ 150 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों को एक साथ लेकर आया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत इस महत्वपूर्ण सम्मेलन की मेजबानी करने पर अत्यंत प्रसन्न है, खासतौर पर इसलिए कि यह ऐतिहासिक लाल किले में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि यह अवसर समाजों और पीढ़ियों को जोड़ने के लिए संस्कृति की शक्ति का उपयोग करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।पीएम मोदी ने कल सोमवार को सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा, च्यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि भारत में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत समिति का 20वां सत्र आरम्भ हो गया है। इस मंच ने हमारी साझा जीवित परंपराओं को संरक्षित और लोकप्रिय बनाने की दृष्टि के साथ 150 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों को एक साथ जोड़ा है। भारत इस सम्मेलन की मेजबानी करके प्रसन्न है, वह भी लाल किले में। यह हमारे समाजों और पीढ़ियों को जोड़ने के लिए संस्कृति की शक्ति का उपयोग करने की हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। वहीं, सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए विवेक अग्रवाल ने कहा कि यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल लाल किले में इस सत्र की मेजबानी करना भारत की मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के अनोखे मेल को दर्शाता है।

सचिव ने भारत के उन 15 तत्वों का भी जिक्र किया, जो यूनेस्को की प्रतिनिधि सूची में शामिल हैं-जैसे वैदिक मंत्रोच्चार, कुटियट्टम, योग, कुंभ मेला, दुर्गा पूजा और गरबा। उन्होंने इन्हें भारत की सांस्कृतिक पहचान का रंगीन प्रतिबिंब बताया। उन्होंने यह भी कहा कि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत मानवता की च्जीवित धड़कनज्, है, जो प्रदर्शन कलाओं, हस्तकला, त्योहारों, अनुष्ठानों और पीढ़ियों से चली आ रही मौखिक परंपराओं के रूप में समुदायों द्वारा जीवित रखी जाती है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सत्र एक बेहद महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है, क्योंकि दुनिया भर की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत व्यापारिक दबावों, बदलते सामुदायिक ढांचे और तेजी से विकसित हो रहे डिजिटल वातावरण जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि यूनेस्को का मंच सहयोग, संवाद और सामूहिक संरक्षण के लिए बेहद आवश्यक है।

वहीं, यूनेस्को के संस्कृति विभाग के सहायक महानिदेशक, एर्नेस्टो ओट्टोने ने भारत सरकार को नई दिल्ली में 20वें सत्र की मेजबानी के लिए धन्यवाद और खुशी व्यक्त की। साथ ही, उन्होंने सांस्कृतिक विरासतों की सुरक्षा में भारतीय सरकार के प्रयासों की सराहना की।

आपको बता दें, यह सप्ताहभर चलने वाला सत्र 8 से 13 दिसंबर 2025 तक आयोजित होगा, जिसमें सदस्य देशों, सांस्कृतिक संस्थानों, विशेषज्ञों, एनजीओ और पर्यवेक्षकों सहित लगभग हज़ार प्रतिनिधि शामिल होंगे।

कोई कितना भी बड़ा हो..., संसद में बोली सरकार- जवाबदेही तय होगी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंडिगो की उड़ानों में कई दिनों से हो रही देरी और रद्दीकरण के मामले पर सरकार ने संसद में अपना पक्ष रखा। लोकसभा में नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि एयरलाइन के परिचालन संकट में जवाबदेही तय की जाएगी और हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं।

इंडिगो एयरलाइन के परिचालन संकट पर लोकसभा में बोलते हुए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापुर ने मंगलवार को कहा कि स्थिति तेजी से सुधर रही है और एयरलाइन को उसके कर्तव्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि डीजीसीए ने इंडिगो को कारण बताओं नोटिस जारी कर दिया है। जवाब आने के बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कोई भी एयरलाइन चाहें वो कितनी भी बड़ी हो उसे यात्रियों की परेशानियों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि परिचालन तेजी से स्थिर हो रहा है, सुरक्षा मानकों का पूरा पालन हो रहा है, इंडिगो को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, यात्रियों की सुविधा और सम्मान की रक्षा की जा रही है, और दीर्घकालिक सुधारों पर काम जारी है।

नायडू ने सदन को आश्वस्त किया कि सरकार यात्रियों की परेशानियों को गंभीरता से ले रही है और ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं जिससे भविष्य में इस तरह की स्थिति न बने। उन्होंने कहा कि भारत के उड्डयन क्षेत्र को अधिक यात्री-केंद्रित बनाने के लिए दीर्घकालिक उपाय लागू किए जा रहे हैं। बता दें कि इंडिगो एयरलाइन के परिचालन संकट के चलते यात्रियों की मुश्किलें मंगलवार को आठवें दिन भी कम नहीं हुईं। देश के कई हवाईअड्डों पर 200 से ज्यादा उड़ानों के रद्द होने और लंबी देरी का सिलसिला जारी रहा। कई यात्रियों को अब भी बैगेज की समस्या और जानकारी के अभाव में परेशानी झेलनी पड़ रही है। इंडिगो ने सोमवार को परिचालन स्थिर होने का दावा किया था। एयरलाइन ने बताया कि उसने अपने नेटवर्क में 1,800 से अधिक उड़ानें संचालित की हैं और जिन सभी स्टेशनों पर सेवाएं दी जाती थीं, वहां संपर्क दोबारा बहाल कर दिया गया है। कंपनी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इंडिगो का ऑन-टाइम परफॉर्मेंस (बढ़कर 91 प्रतिशत पर पहुंच गया है, जो पिछले सप्ताह के गंभीर व्यवधानों से उबरने का संकेत है।

आम आदमी की जिंदगी आसान बनाना सरकार की पहली प्राथमिकता- मंत्री किरेन रिजिजू

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली में आज मंगलवार सुबह हुई एनडीए संसदीय दल की बैठक कई मायनों में खास रही। बैठक खत्म होने के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया से बात की। उन्होंने बताया कि बिहार के नेताओं ने विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के लिए विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। इस दौरान बिहार के नेताओं ने पीएम मोदी को आश्वस्त किया कि वे राज्य के विकास के लिए पूरी मेहनत से काम करेंगे।

रिजिजू ने बताया कि बैठक में प्रधानमंत्री ने सभी एनडीए सांसदों को अपने-अपने क्षेत्र में और अधिक प्रभावी तरीके से काम करने के निर्देश दिए। पीएम मोदी ने कहा कि देश के आम नागरिक की जिंदगी आसान बनाना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसके लिए हर क्षेत्र में निरंतर सुधारजरूरी है।

किरेन रिजिजू ने कहा कि पीएम मोदी ने यह भी बताया कि किसी भी नागरिक को सरकारी प्रक्रिया के कारण अनावश्यक तकलीफ नहीं होनी चाहिए। कानून जनता के लिए सुविधा का माध्यम होना चाहिए, बोझ नहीं। उन्होंने निर्देश दिया कि ऐसे सभी नियम और कानून, जो बिना कारण आम लोगों को परेशान करते हैं, उनकी समीक्षा की जाए।

बैठक में युवाओं को जोड़ने और प्रेरित करने पर जोर दिया गया। रिजिजू ने बताया कि खेल-कूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से युवा ऊर्जा को दिशा देने का सुझाव दिया गया। प्रधानमंत्री ने कहा है कि देश का भविष्य युवाओं के हाथ में है और उन्हें अधिक अवसर देने की आवश्यकता है। रिजिजू के अनुसार, पीएम मोदी ने सभी एनडीए सहयोगियों से कहा कि देश तेजी से आगे बढ़ रहा है।

ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के लिए सोशल मीडिया बैन, पीएम अल्बनीज ने कहा- बच्चों को मिलेगा बचपन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया का 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर दुनिया का पहला बैन यह सुनिश्चित करेगा कि बच्चों को उनका बचपन मिले। पीएम अल्बनीज ने आज मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के राज्यों और स्थानीय नेताओं को सोशल मीडिया बैन पर उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया, जो बुधवार से लागू होगा। उन्होंने यह भी माना कि इस सुधार के लिए शॉर्ट टर्म में कुछ एडजस्टमेंट की जरूरत होगी।

उन्होंने कहा, यह वह सांस्कृतिक बदलाव है जिसकी ऑस्ट्रेलिया को माता-पिता को ज्यादा मानसिक शांति देने और यह सुनिश्चित करने के लिए जरूरत है कि ऑस्ट्रेलियाई बच्चों का बचपन सुरक्षित रहे।

दरअसल पिछले साल, नवंबर 2024 में फेडरल पार्लियामेंट में पास हुए कानूनों के तहत, कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को 16 साल से कम उम्र के बच्चों को अकाउंट बनाने से रोकने के लिए उचित कदमज् उठाने होंगे। सरकार का कहना है कि इससे सोशल मीडिया के नेगेटिव असर को कम किया जा सकेगा। यह युवाओं को स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताने के लिए बढ़ावा देते हैं। साथ ही ऐसा कंटेंट भी दिखाते हैं जो उनकी हेल्थ और विकास को नुकसान पहुंचा सकता है।

वहीं 2025 की शुरुआत में सरकार द्वारा करवाए गए एक अध्ययन में पाया गया कि 10-15 साल के 96 प्रतिशत बच्चे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते थे, और उनमें से 10 में से सात हानिकारक कंटेंट के संपर्क में आए थे। इसमें महिलाओं के प्रति नफरत और हिंसक सामग्री के साथ-साथ खाने की बीमारियों और आत्महत्या को बढ़ावा देने वाला कंटेंट भी शामिल था। अब तक 10 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को बैन लागू करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, थ्रेड्स, टिकटॉक, ट्विच, एक्स, यूट्यूब, किक और रेडिट शामिल हैं। जरूरत पड़ने पर अधिकारी इस लिस्ट को अपडेट कर सकते हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया भर के स्कूलों में छात्रों को दिखाए जाने वाले एक वीडियो मैसेज में, अल्बनीज ने कहा कि सरकार ने उन बच्चों का समर्थन करने के लिए यह बदलाव किया है जो एल्गोरिदम, सोशल मीडिया फीड और उनके दबाव के साथ बड़े हुए हैं। इन कानूनों के तहत बैन का उल्लंघन करने पर न तो बच्चों और न ही उनके माता-पिता को सजा दी जाएगी, इसे लागू करने की पूरी जिम्मेदारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर होगी। जो प्लेटफॉर्म गंभीर या बार-बार उल्लंघन करेंगे, उन पर 49.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 32.8 मिलियन डॉलर) तक का जुर्माना लगाया जाएगा। हालांकि, सरकार ने स्वीकार किया है कि उम्र की पुष्टि करने वाली टेक्नोलॉजी को सभी नाबालिग अकाउंट की पहचान करने में कुछ समय लगेगा।

45 लाख के इनामी रामधेर सहित 12 नक्सलियों ने किया सरेंडर

खैरागढ़/रायपुर ■ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले के बकरकट्टा थाना के गांव कुम्ही में सोमवार सुबह रामधेर मज्जी सहित सीपीआई सीसीएम, डीवीसीएम, एसीएम और पीएम स्तर के 12 नक्सलियों नें 12 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। इन पर कुल 81 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनमें सबसे बड़ा 45 लाख का इनामी नक्सली और केंद्रीय समिति सदस्य (सीसीएम) तथा एमएमसी (मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़) जोन प्रभारी रामधेर मज्जी है। इलाके में मज्जी का ही आदेश चलता था। इनमें से कई के खिलाफ गंभीर नक्सली घटनाओं में शामिल होने के आरोप रहे हैं। रामधेर को हाल ही में एमएमसी जोन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।पुलिस का दावा है कि रामधेर के आत्मसमर्पण से इलाके मे एमएमसी जोन का खात्मा हो गया है। खैरागढ़ जिला प्रशासन ने आज है बताया कि छह महिला सहित कुल 12 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में वापस आने का निर्णय लिया है। सभी को शासन के पुनर्वास योजना का लाभ दिलाया जाएगा। आत्मामर्पण के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा बलों का मनोबल बढ़ा है। यह आत्मसमर्पण क्षेत्र में नक्सली नेटवर्क को समाप्त करने की दिशा में बड़ी सफलता मानी जा रही है। आत्मसमर्पित माओवादियों रामधेर मज्जी (सीसीएम) ने एके-47 हथियार के साथ, चंदू उसेंडी (डीवीसीएम) ने 30 कैलिबर कार्बाइन के साथ, ललिता (डीवीसीएम) ने इंसास, जानकी(डीवीसीएम)-इंसास के साथ , प्रेम (डीवीसीएम)ने एके-47 के साथ, रामसिंह दादा (एसीएम) 303 राइफल के साथ, सुकेश पोट्टम (एसीएम)ने एके-47 हथियार के साथ,लक्ष्मी (पीएम) इंसास के साथ, (पीएम),शीला इंसास हथियार के साथ, सागर (पीएम)ने एसएलआर हथियार के साथ,कविता(पीएम)ने 303 बोर राइफल के साथ तथा योगिता (पीएम) ने बगैर हथियार के साथ आत्मसमर्पण किया है । इनमें डीवीसीएम (डिविजनल कमेटी सदस्य) चंदू उसेंडी, ललिता, जानकी और प्रेम पर आठ-आठ लाख का , दो एरिया कमेटी सदस्य रामसिंह दादा और सुकेश पोट्टम पर पांच-पांच लाख का तथा लक्ष्मी, शीला, सागर, कविता और योगिता पर दो -दो लाख रुपये का इनाम घोषित है ।

फेड की ब्याज दर कटौती की उम्मीद से बाजार में सोने-चांदी के कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर फैसले से पहले निवेशकों के सतर्क रुझान के चलते मंगलवार के कारोबारी दिन सोना और चांदी की कीमतें स्थिर रहीं। शुरुआती कारोबार के दौरान मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की फरवरी वायदा कीमतें 1,29,978 रुपए प्रति 10 ग्राम पर स्थिर बनी हुई थीं। मार्केट एक्सपर्ट्स ने कहा, च्घरेलू बाजार में एमसीएक्स पर सोने की फरवरी वायदा कीमतें 1,29,952 रुपए के आसपास कारोबार कर रही थीं, जो वैश्विक तेजी के रुझान को ट्रैक कर रही थीं ।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ./स.) संभाग बैतूल (म.प्र.)

निविदा सूचना क्रमांक 10-डी.एल./2025-26 बैतूल, दिनांक 04.12.2025

-:: निविदा सूचना-::

निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

स. क्र.	टेण्डर नम्बर	जिला का प्रकार	कार्य	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानत राशि	समयावधि	भौतिक रूप से एनवलप प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल्य एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	2025_PWDRB _465984_1	बैतूल	सड़क कार्य	खोम्हरा से मलाजपुर मार्ग। लम्बाई 2.10 कि.मी.	प्रथम आमंत्रण	258.96	2,58,959/-	04 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.
2	2025_PWDRB _465992_1	बैतूल	सड़क कार्य	लो.नि.वि. उपसंभाग भैंसदेही एवं चिचोली में विभिन्न मार्गो का सर्वे एवं डी.पी.आर. तैयार करने का कार्य	द्वितीय आमंत्रण	10.00	20,000/-	06 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.
3	2025_PWDRB 465995 1	बैतूल	सड़क कार्य	लो.नि.वि. उपसंभाग बैतूल एवं मुलताई में विभिन्न मार्गो का सर्वे एवं डी.पी.आर. तैयार करने का कार्य	द्वितीय आमंत्रण	10.00	20,000/-	06 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.
4	2025_PWDRB 465996 1	बैतूल	सड़क कार्य	डोडरा मोहर पहुंच मार्ग का बी.टी. रिनीवल। लम्बाई 020 कि.मी.	द्वितीय आमंत्रण	2.24	4,480/-	01 माह (वर्षाकाल रहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.
5	2025_PWDRB _466000_1	बैतूल	भवन कार्य	लो.नि.वि. उपसंभाग भैंसदेही में एफ टाईप जज क्वार्टर का विशेष मरम्मत कार्य।	प्रथम आमंत्रण	8.46	16,921/-	04 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.

उपरोक्त वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम दिनांक 19.12.2025 सायं 17.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट मे देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री,
लोक निर्माण विभाग (भ./स.)
संभाग बैतूल (म.प्र.)

G-22413/25

टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और लॉकहीड मार्टिन ने की घोषणा, 2026 के आखिर तक पूरा होगा निर्माण

अब भारत में ही होगी सी-130जे सुपर हरक्यूलिस एयरक्राफ्ट की मरम्मत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और लॉकहीड मार्टिन भारत में सी-130जे सुपर हरक्यूलिस एयरक्राफ्ट के लिए डिफेंस मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल (एमआरओ) शुरू करेंगे। यह सुविधा दोनों कंपनियों की लंबे समय से चली आ रही औद्योगिक साझेदारी पर आधारित होगी, जिससे भारतीय वायु सेना के लिए देश में काफी सहयोग बढ़ेगा और साथ ही बड़े क्षेत्रीय और वैश्विक सहयोग के भी मौके मिलेंगे। इसका निर्माण 2026 के आखिर तक पूरा होगा और उम्मीद है कि 2027 की शुरुआत में एमआरओ ऑपरेशन के लिए पहला एयरक्राफ्ट मिल जाएगा।

बेंगलुरु में दोनों कंपनियों ने सोमवार को इसकी घोषणा भूमि पूजन समारोह के बाद की, जिसमें वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।लॉकहीड मार्टिन के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर फ्रैंक सेंट जॉन ने कहा कि आज टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और भारत के साथ हमारा सहयोग बहुत आगे बढ़ गया है। सात दशकों से ज़्यादा समय से हम भारत के बढ़ते एयरोस्पेस और डिफेंस इंडस्ट्रियल बेस के साथ-साथ आगे बढ़े हैं। सी-130जे सुपर हरक्यूलिस एयरक्राफ्ट के लिए डिफेंस मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल (एमआरओ) इसी नींव को और मजबूत करेगी। यह सुविधा भारत में विश्व स्तरीय स्थिरता लाने के साथ ही भारतीय वायु सेना की तैयारियों को बेहतर बनाएगी। साथ ही ऐसे मौके बनाएगी, जो क्षेत्रीय और वैश्विक सी-130 ऑपरेटर्स को सहयोग करेंगे। इस मौके पर टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक सुकरण सिंह ने कहा कि यह माइलस्टोन सिर्फ़ एक नई सुविधा की स्थापना से कहीं ज़्यादा है। इस आधुनिक एमआरओ में डिपो-लेवल और भारी मेंटेनेंस, कंपोनेंट रिपेयर, ओवरहॉल, टेस्टिंग, संरचनात्मक बहाली और एवियोनिक्स अपग्रेड की सुविधा मिलेगी, जिससे हमारा एयरोस्पेस इकोसिस्टम मजबूत होगा। यहां भारतीय इंजीनियरों और मेंटेनेंस के लिए बेहतर ट्रेनिंग की सुविधा होगी और सी-130 सप्लाई चेन में भारतीय आपूर्तिकर्ताओं के लिए नए मौके मिलेंगे।

भोपाल की वोटर लिस्ट से कट सकते हैं 4 लाख से ज्यादा नाम

16 दिसंबर को मतदाता सूची का प्रकाशन होगा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी भोपाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) का डिजिटाइजेशन पूरा हो गया है। एसआईआर के दौरान करीब 4 लाख 7 हजार 944 वोटर ऐसे मिले, जो या तो अपने पते पर नहीं पाए गए, स्थायी रूप से कहीं और शिफ्ट हो चुके हैं या फिर उनका निधन हो चुका है। प्रशासन इन प्रविष्टियों को हटाने की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में है। चूंकि मतदाता सूची का डिजिटलाइजेशन पूरा हो चुका है, इसलिए सभी आंकड़े अब साफ-सुथरे रूप में सामने आ रहे हैं।

डिजिटलाइजेशन में सामने आए गायब, मृत और शिफ्ट हुए मतदाता: भोपाल में कुल 17 लाख 17 हजार 981 फॉर्म डिजिटलाइज किए गए। इस प्रक्रिया में उन मतदाताओं की पहचान की गई जिनका डेटा 2003 की मतदाता सूची से मेल नहीं खाता। ऐसे मतदाताओं की संख्या 2 लाख 23 हजार से अधिक है। इन्हें नो मैपिंग श्रेणी में रखा गया है। यह वो लोग हैं जिनका रिकॉर्ड पुराने दस्तावेजों में भी स्पष्ट नहीं है। जिला प्रशासन ने तय किया है कि इन प्रविष्टियों की 50 दिन तक सुनवाई की जाएगी। यदि निर्धारित समय में दस्तावेज उपलब्ध नहीं हुए तो उनके नाम काटने की कार्रवाई होगी।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता के मुताबिक, प्रत्येक विधानसभा में अतिरिक्त अधिकारी तैनात होंगे। जिले में 100 सहायक रजिस्ट्रकरण अधिकारी भी नियुक्त किए जाएंगे ताकि हर मतदाता को अपना पक्ष रखने का अवसर मिल सके। बीएलओ घर-घर जाकर फॉर्म लेंगे और जिन मतदाताओं का डेटा नहीं मिलेगा, उन्हें प्रक्रिया अनुसार सूची से हटाया जाएगा।

जांच में क्या मिला?

जांच में गोविंदपुरा विधानसभा सबसे अधिक प्रभावित पाई गई, जहां 61 हजार 382 मतदाता अन्य स्थान पर शिफ्ट हो चुके हैं। इसके अलावा 27 हजार 889 अपने पते पर नहीं मिले और 6106 मतदाताओं के मृत होने की पुष्टि हुई।

2726 नाम ऐसे पाए गए जो पहले से ही सूची में दर्ज थे। नरेला विधानसभा में मृत मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक 5679 है। यहां 50 हजार 161 मतदाता दूसरी जगह शिफ्ट पाए गए जबकि 5322 अबसेंट और 2695 दोहरी प्रविष्टि की श्रेणी में मिले।

16 दिसंबर से शुरू होगी कार्रवाई

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के मुताबिक, प्रशासन की प्राथमिकता वास्तविक मतदाताओं को किसी भी तरह की परेशानी से बचाना है। नो मैपिंग श्रेणी के 2 लाख 26 हजार से अधिक नामों और उन प्रविष्टियों की अलग-अलग जांच होगी जिनके गणना पत्रक उपलब्ध नहीं हैं। मतदाताओं को दस्तावेज जमा करने के लिए 50 दिन का समय दिया जाएगा और हर व्यक्ति को अदालत जैसी सुनवाई का अवसर उपलब्ध होगा। 16 दिसंबर को मतदाता सूची का प्रकाशन होगा जिसके बाद नाम जोड़ने, सुधार करने और आपत्तियों की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। नए मतदाता भी इस अवधि में अपना नाम जुड़वा सकेंगे।

चाकू अड़ाकर दुकान संचालक से हुई लूट मामले पर एक्शन

3 बदमाश किए गए गिरफ्तार

भोपाल ■ अमृत दर्शन

शाहजहांनाबाद इलाके में एक युवक को चाकू अड़ाकर मोबाइल और स्कूटर लूटने वाले बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार बदमाशों से लूटी गई स्कूटर बरामद कर ली गई है। वारदात के बाद बदमाशों ने स्कूटर का कलर बदल दिया था। जानकारी के अनुसार, मोहम्मद फैजान (19) हैदरगढ़, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है और काजी कैंप में एक चिकन फास्ट फूड की दुकान पर काम करता है।

उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि बीती 20 नवंबर की रात करीब ढाई बजे वह अपने साथी के साथ एक्सेस स्कूटर से भोपाल रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म नंबर-1 की तरफ दोस्त को खाना देने गया था। वहां से तड़के तीन बजे वह काजी कैंप जाने के लिए निकला। नादरा बस स्टैंड से निकलते ही उसकी एक्सिस स्कूटर के पीछे दो अलग-अलग स्कूटर पर सवार चार लोग आए। उन्होंने मोहम्मद फैजान का पीछा किया। डर के कारण फैजान ने स्कूटर की रफ्तार बढ़ा दी। भोपाल टॉकीज से काजी कैंप वाली सड़क पर मेट्रो प्रोजेक्ट का काम चल रहा है। वहां एक स्कूटर वाले ने उसकी एक्सिस के सामने अपनी गाड़ी लगा दी। इसी बीच दूसरी स्कूटर से आए युवकों ने एक्सिस पर पीछे बैठे साथी की कॉलर पकड़ ली और मारपीट करते हुए कहा कि कहां जा रहे हो। इसी बीच आरोपियों ने चाकू निकालकर कहा कि यहां से भाग निकलो, नहीं तो जान से खत्म कर देंगे।

पुलिस ने लूट की शिकायत मिलने के बाद घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए। फुटेज के आधार पर पुलिस ने मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। इस बीच मुखबिर की सूचना पर हैदर उर रहमान (22) और मुईन खान (20) को हिरासत में लिया। दोनों से पूछताछ करने पर उन्होंने अपने साथी नुमान अली निवासी रेलवे ब्रिज के सामने मंगलवारा और परवेज खान (19) निवासी सराय जामा मस्जिद थाना कोतवाली जिला सीहोर के साथ मिलकर लूट की वारदात करना स्वीकार कर लिया। आरोपियों ने बताया कि घटना की रात वह नशे में थे। नशे की हालत में उन्हें दो युवक एक्सिस से जाते हुए नजर आए। दोनों दुबले-पतले थे, लिहाजा उन्होंने उनका पीछा किया और एक्सिस सहित मोबाइल झपट लिया। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

क्राइम ब्रांच ने दी निर्माणाधीन बिल्डिंग में दबिश

एमडी ड्रग के साथ युवक गिरफ्तार, सप्लाई नेटवर्क की जानकारी जुटा रही पुलिस

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल क्राइम ब्रांच ने ईदगाह हिल्स शाहजहांनाबाद स्थित एक निर्माणाधीन बिल्डिंग में दबिश देकर नशीला पदार्थ एमडी ड्रग बेचने की फिराक में बैठे एक युवक को पकड़ लिया। कार्रवाई 7 दिसंबर की शाम मुखबिर की सूचना पर की गई। पुलिस ने गवाहों की मौजूदगी में जब्ती और सील करने की कार्रवाई पूरी कर आरोपी को धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया। अब उससे पूछताछ कर सप्लाई नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है।

क्राइम ब्रांच की टीम ने मौके से शिफत उर्फ सेफ उर्फ अली उर्फ राजा (निवासी रन्नौद, जिला शिवपुरी) को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान पारदर्शी पन्नी में 11.05 ग्राम एमडी ड्रग जैसा पदार्थ बरामद हुआ। साथ ही उसके पास से दो महंगे मोबाइल सैमसंग और एप्पल 12 प्रो मैक्स भी मिले हैं। जब्त मादक पदार्थ की कीमत करीब 55 हजार रुपए बताई जा रही है।

लाइव परफॉर्मेंस के दौरान स्टेज पर गिरे मोहित चौहान: भोपाल के म्यूजिकल इवेंट में हुआ हादसा, वीडियो वायरल

भोपाल। मशहूर सिंगर मोहित चौहान लाइव परफॉर्मेंस के दौरान अचानक स्टेज पर गिर गए। हालांकि गिरने बाद तुरंत वे स्टैंडिंग पोजिशन में आए और फिर से गाना गाने लगे। 'नादान परिंदे' सॉन्ग गाते समय यह हादसा हुआ। इस घटना में उन्हें किसी तरह की चोट नहीं आई है। वहीं स्टेज के पास खड़े युवक ने वीडियो बनाया था, जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, फेमस सिंगर मोहित चौहान म्यूजिकल इवेंट के लिए मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंचे थे। वे एम्स भोपाल में लाइव परफॉर्म कर रहे थे। इसी दौरान स्टेज पर लगे लाइट सेटअप से उनका पैर टकरा गया और वे मंच पर ही गिर पड़े। जिस वक्त हादसा हुआ उस समय वे 'नादान परिंदे' सॉन्ग गा रहे थे। हालांकि गिरने के बाद मोहित चौहान ने खुद को संभाला, तुरंत स्टैंडिंग पोजिशन में आए और खड़े होकर फिर से गाना गाने लगे। इस घटना में मोहित चौहान को किसी तरह की चोट नहीं लगी है। वे पूरी तरह स्वस्थ हैं। वहीं स्टेज के पास खड़े युवक वीडियो बना रहा था, जिसके कैमरे में यह घटना कैद हो गई। जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है।

कैंटीन में हमले के बाद एंटी रैगिंग कमेटी का नोटिस

पुलिस दर्ज करेगी बयान

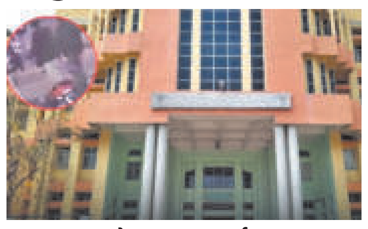

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज में रैगिंग और हिंसा से जुड़ा मामला थमने के बजाय और उलझता जा रहा है। 4 दिसंबर की देर रात कैंटीन परिसर में हुए हमले के बाद कॉलेज की एंटी रैगिंग कमेटी और पुलिस, दोनों ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। शिकायत में जिन छात्रों के नाम दर्ज हैं, उन सभी सीनियर्स और बैचमेट्स को नोटिस जारी हो चुके हैं। दूसरी तरफ एफआईआर वापस लेने की बातचीत ने विवाद को और गहरा दिया है। कैंटीन विवाद के बाद कॉलेज प्रबंधन ने 15 एमबीबीएस छात्रों को सस्पेंड किया था।

बयान दर्ज करने की तैयारी: सोमवार को जीएमएस भोपाल की एंटी रैगिंग कमेटी की बैठक हुई। इसमें सेकेंड ईयर छात्र पारस मरैया की शिकायत के आधार पर चिन्हित सीनियर और बैचमेट छात्रों को नोटिस जारी कर दिए गए। कमेटी ने तय किया है कि मंगलवार (9 दिसंबर) को सभी छात्रों को बुलाकर उनके बयान ऑन रिकॉर्ड दर्ज किए जाएंगे। इस पूरी प्रक्रिया की रिपोर्ट बनाकर एंटी रैगिंग सेल को भेजी जाएगी, जिससे आगे की कार्रवाई तय होगी।

उधर, पुलिस ने एफआईआर दर्ज होने के बाद पारस का मेडिकल लीगल केस भी तैयार कर लिया है। बुधवार (10 दिसंबर) को पुलिस आरोपी छात्रों को नोटिस देकर बयान दर्ज करेगी। पुलिस और कमेटी दोनों के स्तर पर जांच शुरू होने के कारण नए खुलासों की आशंका है।

कई जिलों में हल्की बारिश और शीतलहर की चेतावनी

उत्तर भारत की बर्फीली हवाओं से ठिठुरा प्रदेश

पचमढ़ी सबसे ठंडा, इंदौर में 10 साल का रिकॉर्ड टूटा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश इस समय कड़ाके की ठंड की चपेट में है। हिमाचल प्रदेश और कश्मीर सहित पहाड़ी राज्यों में लगातार हो रही बर्फबारी का सीधा असर अब उत्तर भारत के मैदानी इलाकों के साथ-साथ मध्य प्रदेश पर भी पड़ रहा है। मध्य प्रदेश पिछले कई दिनों से भीषण शीतलहर की चपेट में है। इस दौरान, राज्य के कई हिस्सों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ठंड का आलम यह रहा कि रविवार-सोमवार की दरमियानी रात प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में न्यूनतम तापमान 5.7 डिग्री दर्ज किया गया, जिसने पिछले 10 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक भी ठंड से राहत न मिलने की चेतावनी जारी की है।

उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवाओं के चलते मध्य प्रदेश के तापमान में रिकॉर्ड तोड़ गिरावट आई है। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात इंदौर में न्यूनतम तापमान 5.7 डिग्री से. दर्ज किया गया। यह पिछले 10 सालों में इंदौर में दिसंबर के महीने का सबसे कम तापमान है। मौसम विभाग ने यहाँ 'सीवियर कोल्ड वेव' की स्थिति दर्ज की।

बीती रात मध्य प्रदेश के 23 शहरों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। मौसम विभाग के अनुसार, भोपाल, राजगढ़, रायसेन, विदिशा और शहडोल में 'कोल्ड वेव' का असर रहा, जहाँ न्यूनतम तापमान औसत से 4 से 6 डिग्री सेल्सियस तक कम दर्ज किया गया। वहीं, सोमवार को दिन के तापमान में भी भारी गिरावट देखी गई।

पचमढ़ी रहा सबसे ठंडा

प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान हमेशा की तरह इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी में दर्ज किया गया, जहाँ पारा लुढ़ककर 5.2 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। इसके बाद उमरिया 5.6 डिग्री सेल्सियस के साथ दूसरे और इंदौर 5.7 डिग्री सेल्सियस के साथ तीसरे नंबर पर रहा।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर, 6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195, आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल। मोबाईल नं. 9827054436।